प्रवाह

जनवरी 2019 पंचदश अंक

आर. सी. ए. गर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, मथुरा
का अर्द्धवार्षिक पत्र

In this Issue ....

- From the Principal's Desk
- Editorial
- Experts' Corner
- Students' Corner
- Bulletin Updates
- Achievements
- From Newspapers
- Memories

Editorial Board ....

Patron :
Dr. Preeti Johari
Chief Editor :
Dr. Anju Bala Agrawal
Editors :
Smt. Pooja Paliwal
Creative Head :
Dr. Sandhya

Principal Desk

प्रिय अभिभावकगण एवं छात्राओं,

पुनः 'प्रवाह' के माध्यम से आप लोगों से अपने विचार साझा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। अब, जबकि वर्तमान सत्र लगभग समाप्त हो चुका है, यह सही समय है जब हम पिछले सत्र की गतिविधियों और उपलब्धियों का पुनरावलोकन कर आपको उनसे अवगत कराएं और इन उपलब्धियों के आधार पर आगामी सत्र की योजनाओं का प्रारूप तैयार करें।

महाविद्यालय में उच्च स्तरीय अध्यापन के साथ–साथ छात्राओं में श्रेष्ठ नैतिक तथा चारित्रिक मूल्यों की स्थापना एवं संवर्धन हमारी सदैव ही प्राथमिकता रही है। साथ ही वर्तमान परिदृश्य की आवश्कताओं के अनुरूप छात्राओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए तैयार करना भी हमारा नैतिक दायित्व है। पारम्परिक शिक्षा के साथ–साथ व्यवहारिक ज्ञान तथा कौशल विकास आज प्रत्येक छात्रा के व्यक्तित्व विकास एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता की पहली सीढ़ी है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए कला एवं वाणिज्य विषयों से संबंधित निम्न तीन त्रैमासिक कौशल विकास पाठ्यक्रमों (ड्रेस डिजाइनिंग, ब्यूटिशियन, कम्प्यूटर फन्डामेन्टल्स एवं टैली) के निःशुल्क प्रशिक्षण का आयोजन स्थानीय 'खजानी पॉलिटेक्निक' के सहयोग से किया गया तथा परीक्षा के उपरांत छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त चित्रकला की छात्राओं के लिए Clay Craft की 10 दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वर्तमान तकनीकी युग में कला/वाणिज्य संकाय की छात्राओं को भी सामान्य तकनीकी ज्ञान होना समाज के साथ चलने के लिए नितांत आवश्यक है। इस दृष्टि से पूरे सत्र में 2 बार एक–एक सप्ताह की डिजिटल साक्षरता कार्यशाला (Digital Literacy Workshop) का भी आयोजन हुआ, जिसमें लगभग 150 छात्राओं ने email, mobile banking, net banking, online payment इत्यादि दैनिक आवश्यकता के कार्यों को कुशलतापूर्वक करने का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विगत सत्र में कौशल विकास के इन पाठ्यक्रमों में छात्राओं एवं अभिभावकों की रूचि एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनकी आवश्यकता को देखते हुए उपरोक्त तीनों पाठ्यक्रमों का आयोजन दिनांक 07 मई 2019 से अन्य छात्राओं के लिए पुनः किया जा रहा है। जिससे लगभग 120 छात्राओं को उपरोक्त तीन विधाओं में से किसी एक विधा में प्रशिक्षित किया जाएगा एवं तत्पश्चात प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। स्नातक होने के पश्चात् अपने लिए रोजगार प्राप्त करने अथवा स्वयं अपना निजी रोजगार स्थापित करने में यह प्रशिक्षण वास्तव में इन छात्राओं के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

इसी उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए आगामी सत्र में नियमित कक्षाओं के साथ पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त कुछ अन्य कौशल विकास पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी महाविद्यालय में की जा रही है जिसमे योग शिक्षक का प्रशिक्षण भी सम्मिलित है। स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाली प्रत्येक छात्रा को कोई एक कौशल विकास प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा।

इसके अतिरिक्त छात्राओं के पठन पाठन को अधिक रूचिकर बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक विषय में माह मे दो–बार आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए Power Point Presentation के माध्यम से कक्षाएं लिए जाने की भी योजना है।

मुझे आशा ही नहीं वरन पूर्ण विश्वास है कि छात्राओं के बहुमुखी विकास की इन योजनाओं के क्रियान्वयन एवं संचालन में हमें आप सभी अभिभावकों का भी अभीष्ट सहयोग प्राप्त होगा और इस महाविद्यालय परिसर में हम छात्राओं के सुदृढ़ और सुरक्षित भविष्य की नींव रखने में सफल होंगे।

– प्रीति जौहरी

Editorial

Dear Students,

Through this column, I want to share some valuable ideas with you. The invisible hands of God and power that scripts victory is really CONFIDENCE that helps to cap off with a sublime finish. We can't forget the fable of Scottish king Bruce who was defeated so many times before winning the final lap. With confidence, you can acquit yourself much better to the cause and execute it with your typical panache. Confidence is such a vital tonic that should always radiate from our face. Success never comes at ease. We need to work from dawn to dusk before glory dawns in. However, one thing without which our pursuit of excellence is just tantamount to climb up the oil anointed bamboo, every time we go ahead a few inches, we yet descend to ground. The missing link is nothing but confidence, the vital ambrosia that always gives us an upper hand as compared to our peers and we forge ahead. You may commit mistakes but embrace mistakes and disappointments as fundamental components of your career. They should not inflict your confidence. The more experience you will gather, the more enriched will be your experience which, in turn, will resuscitate your oxygen of confidence. Confidence will lead you to more success but if you do not keep backing it up with solid work; the flywheel will eventually stop spinning. Restarting increases the probability of a successful completion. We should visualize our weaknesses and areas where we need to work hard. At the time of adversity, there is a need to stay calm, collected and composed. The best thing is to find the middle ground between being too relaxed and toiling too hard. Sometimes effective conversation with an achiever can pave the way to our goal. In fact, following the footsteps of the achievers can pave the way to tread in the pursuit of excellence. Past is a great lesson. Past successes remind one that he has the resources and material to succeed. The fun factor is another common denominator to elevate one's mental state. Ways to do this are by listening music laughter, mental rehearsal, reading inspiring books and communicating with friends and family members. The thread of confidence is woven by big dream and a steely will. Confidence never stays in vacuum and rather stays within us. confidence is not a lonesome activity. It calls for an armour of hard work, patience, perseverance, assiduity, sangfroid. It's not a fortnightly effort but it needs many days' full-fledged efforts in full swing. Confidence is such strong element that can give Midas touch to finish our journey. Now let Confidence be your middle name to win laurels.

With best wishes.

- Anju Bala Agrawal

कानून के क्षेत्र में कैरियर

डॉ. अंजुबाला अग्रवाल
प्रभारी, अंग्रेजी विभाग

अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता एवं दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं के निराकरण एवं न्याय प्राप्त करने के लिए कानूनी प्रावधानों की जानकारी प्रत्येक नागरिक के लिये आवश्यक है। आज लोग हर मुद्दे पर कानून का दरवाजा खटखटाते नजर आते हैं। कानून की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिये एक वकील का होना सर्वोपरि होता है। अतः आज वकीलों की माँग तेजी से बढ़ रही है।

आसान शब्दों में कहें तो वकील वह व्यक्ति है, जो कानूनी दॉव पेच को अच्छी तरह जानता और समझता है। कोर्ट में लॉ की प्रैक्टिस करने के साथ ही वकील अपने क्लाइंटस यानि मुवक्किल को कानूनी मुद्दों पर सलाह देने का कार्य करते हैं। दीवानी (सिविल) या फौजदारी (क्रिमिनल) मामलों में वादी (कम्प्लेनेंट) या प्रतिवादी (डिफेंडेंट) का संबंधित अदालतों में पक्ष रखते हैं। अदालत में अपने क्लाइंट की ओर से मुकदमा दायर करते हैं और उसके पक्ष को लेकर बहस भी करते हैं।

वकील कैसे बनें– वकील बनने के लिये पारम्परिक एलएलबी का विकल्प तो है ही, पर अब बारहवीं के बाद पाँच वर्षीय लॉ पाठ्यक्रम की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ रही है। खास बात यह है कि बारहवीं के बाद लॉ करने से एक साल की बचत हो जाती है। तीन साल का लॉ ग्रेजुएशन के बाद करने से छः साल लग जाते हैं। किसी भी स्ट्रीम के छात्र ये कोर्स कर सकते हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर क्लैट (कॉमन लॉ एडमीशन टेस्ट) परीक्षा भी आयोजित होती है, जिसमें उत्तीर्ण होने पर नेशनल लॉ यूनीवर्सिटीज में प्रवेश करके छात्र पाँच वर्षीय कोर्स करके शानदार कैरियर बना सकते हैं। आज युवाओं के सामने कई तरह के अवसर उपलब्ध हैं–

जज के रूप में– लॉ ग्रेजुएट राज्यों द्वारा आयोजित न्यायिक परीक्षा (पीसीएस) उत्तीर्ण करके न्यायाधीश के रूप में आकर्षक कैरियर शुरू कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट से लेकर हाईकोर्ट, सेशन कोर्ट में न्यायाधीशों की हनक देखी जा सकती है। शासन प्रशासन तक को निर्देश और आदेश देने का इनके पास अधिकार होता है। सत्र या जिला न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में कैरियर प्रारम्भ करके बेहतर काम और अनुभव के आधार पर हाईकोर्ट के जज के रूप में भी प्रोन्नति मिल जाती है। इसके अलावा 7 या 10 साल के वकालत के अनुभव के बाद उच्चस्तरीय न्यायिक परीक्षाओं में शामिल होकर सीधे हाईकोर्ट में भी जज बन सकते हैं। इसी तरह विभिन्न राज्यों के हाईकोर्ट में कार्यरत जज वरिष्ठता के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त हो सकते हैं।

कॉरपोरेट लॉयर्स– आज मल्टीनेशनल कम्पनियों में लीगल आफिसर्स की काफी माँग है। कारपोरेट लॉयर्स बड़ी–बड़ी कम्पनियों और कारपोरेशंस को कानूनी तरीके से कारोबार करने में मदद करते हैं।

लॉ फर्म्स– आजकल बड़ी संख्या में लॉ फर्म्स के आ जाने से लॉ ग्रेजुएट्स की माँग काफी बढ़ गई है। नेशनल लॉ स्कूल के ग्रेजुएट्स के ये फर्म्स अच्छे सैलरी पैकेज पर अपने यहाँ नियुक्त करती है।

साइबर लॉयर– कम्प्यूटर इन्टरनेट और ऑनलाइन के युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। कम्प्यूटर व नेटवर्क की सुरक्षा के लिये साइबर लायर्स की आज काफी आवश्यकता है।

सरकारी वकील– सरकारी विभागों व अन्य जाँच एजेंसियों द्वारा चलाये जाने वाले मुकद्मों की पैरवी के लिए आजकल हर राज्य में सरकारी वकील होते हैं। कुछ वर्षों की वकालत और लगातार अच्छे रिकार्ड के बाद केन्द्र और राज्य सरकारों में सरकारी वकील बना जा सकता है।

टीचिंग का फील्ड– आज नये नये प्राइवेट लॉ स्कूल और नये नेशनल लॉ स्कूल के खुलने से इनमें असिस्टेंट प्रोफेसर की भारी डिमांड देखी जा रही है।

अन्य विकल्प– लॉ ग्रेजुएट्स के लिये लीगल, जर्नलिज्म, एनजीओ, अन्तर्राष्ट्रीय संस्थायें, पीएसयूज, इन्कमटैक्स लॉ जैसे क्षेत्रों में काफी अवसर हैं।

इस तरह आज कानून के क्षेत्र में कैरियर की अपार संभावनायें हैं। आज छात्र ही नहीं छात्राएं भी इस कैरियर को चुनकर अपना भविष्य उज्जवल कर सकती हैं।

महिला मतदाता पंजीकरण मेला

दिनांक 08.01.2018 को महाविद्यालय में महिला मतदाता पंजीकरण मेले का आयोजन किया गया। इस मेले का उद्घाटन माननीय जिला अधिकारी श्री सर्वज्ञ राम मिश्र जी द्वारा फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर जिलाधिकारी श्री सर्वज्ञ राम मिश्र, प्राचार्या प्रीति जौहरी, श्री बसन्त लाल अग्रवाल (सिटी मजिस्ट्रेट), तहसीलदार सदर, ए. डी. एम. श्री आदित्य प्रकाश श्रीवास्तव, महाविद्यालय सचिव श्री गिरीश अग्रवाल, स्वीप कोर्डिनेटर डा. पल्लवी सिंह आदि द्वारा सामूहिक रूप से माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने अतिथियों के स्वागत वक्तव्य के साथ महाविद्यालय की उपलब्धियों एवं मतदाता जागरूकता अभियान में महाविद्यालय के योगदान से अवगत कराया।

इसके बाद जिलाधिकारी महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम यहाँ मतदाता जागरूकता और उसके पंजीकरण के लिए एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास मतदान का अधिकार है इससे हम किसी भी सत्ता का परिवर्तन कर सकते हैं। यह हमारे पास ब्रह्मास्त्र के समान है जिसके प्रयोग से हम सही सरकार का चयन कर सकते हैं। देश के लोकतन्त्र को मजबूत करने में जितनी भागीदारी पुरूषों की है, उतनी ही महिलाओं की भी है। अतः उन्हें भी अपनी अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। साथ ही उन्होंने आर.सी.ए. महाविद्यालय की उपलब्धियों की भूरि–भूरि प्रशंसा भी की। इस अवसर पर डा. नम्रता मिश्रा के निर्देशन में छात्राओं द्वारा मतदान पर आधारित एक गीत प्रस्तुत किया गया, जिसमें तबले पर संगत श्रीमती रत्ना शर्मा ने दी। छात्रा चंचल शर्मा ने एक कविता प्रस्तुत की जिसमें मतदान के महत्व को समझाया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. भारती सागर ने किया। कार्यक्रम में विविध क्षेत्रों के बी.एल.ओ. कमलेश, शुचि अरोड़ा, प्रेमपाल सिंह, रजनी शर्मा, वन्दना अग्रवाल, बबली देवी आदि उपस्थित थे।

एन०सी०सी० से साक्षात्कार

गुन्जन गौतम
बी.ए. द्वितीय वर्ष

प्रथम विश्व युद्ध के बाद ब्रिटिश सरकार ने स्कूल व कॉलेजों में छात्र–छात्राओं को सैन्य प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से सन् 1921 ई0 में यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग कोर की स्थापना की। बाद में सन् 1925 ई0 में इस संगठन का नाम बदलकर यूनिवर्सिटी ऑफीसर ट्रेनिंग कोर कर दिया गया। लेकिन इस संगठन का कार्य अधिक संतोषजनक नहीं था, अतः यह अपने उद्देश्यों में पूरी तरह सफल नहीं रहा। बाद में ब्रिटिश सरकार ने सन् 1927 ई0 में एक और समुद्री स्काउट संगठन भी बनाया परन्तु वह भी असफल रहा। अन्त में श्री एच0 एन0 कुँजर की अध्यक्षता में एक आयोग ने **नेशनल कैडेट कोर** की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सन् 1948 ई0 में भारत सरकार द्वारा मंजूरी मिल गयी और इस प्रकार 31 अक्टूबर 1948 को भारत में **नेशनल कैडेट कोर** की स्थापना हुई।

मुख्य उद्देश्यः– इस संगठन द्वारा युवकों को सुयोग्य नागरिक बनाने के लिये उनमें नेतृत्व, साहस, मैत्रीभाव तथा खेल भावना के आदर्शों का विकास किया जाता है। छात्र–छात्राओं में अफसरेचित गुणों का विकास किया जाता है, जिससे वह सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त करने में समर्थ हो सकें। राष्ट्रीय आपातकाल में देश की प्रतिरक्षा में सहायक हो सकें। सैन्य प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से विभिन्न शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिसके अन्तर्गत उन्हें कई प्रशिक्षण एवं जानकारियाँ दी जाती हैं। छात्र–छात्राओं में अनुशासन तथा देशभक्ति की भावना उत्पन्न करने में इसका महत्वपूर्ण योगदान है।

क्रियाकलापः– इस संगठन के अंतर्गत युवकों की उन्नति के लिये उन्हे अनेक प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है। सैन्य शिक्षा के साथ–साथ छात्र–छात्राऐं सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा समाज सेवा के कार्यक्रमों में भी भाग लेते हैं। केवल छात्र ही नहीं, बल्कि छात्राओं की भी इस संगठन में प्रमुख भूमिका है। यह कैडेट्स गाँव–गाँव जाकर लोगों को स्वच्छता एवं रोगों की रोकथाम की शिक्षा दिया करते हैं। राष्ट्रीय एकता को बढ़ाने में इस संगठन का महत्वपूर्ण योगदान है। इसके लिये "राष्ट्रीय एकता शिविर" नामक विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है, जिसमें भारत देश के सभी राज्यों के कैडेट्स रक्तदान भी करते हैं। शिविरों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता है, जिससे छात्र–छात्राओं के मनोबल तथा कार्यशक्ति में वृद्धि होती है। एन. सी. सी. के कैडेट्स गणतंत्र दिवस परेड में भी भाग लेते हैं। राष्ट्रीय आपातकाल में स्थिति से निपटने के लिए इन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।

लाभः– वैसे तो इस संगठन द्वारा छात्रों और छात्राओं को सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त होता ही है, परन्तु इसके अलावा भी इसके अनेक लाभ हैं। 'सी' सर्टिफिकेट उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं के लिये संघ लोक सेवा आयोग की संयुक्त रक्षा परीक्षाओं में 32 स्थान सुरक्षित हैं। जल सेना में भी 'सी' सर्टिफिकेट प्राप्त छात्रों को कोचीन में प्रवेश मिल जाता है। 'बी' व 'सी' सर्टिफिकेट प्राप्त कैडैट को सी.आर.पी.एफ., बी.एस.एफ., सी. आई.एस.एफ. तथा इण्डो तिब्बत बोर्डर पुलिस प्राथमिकता देती है। कर्नाटक व महाराष्ट्र में तो एन.सी.सी. 'सी' प्रमाणपत्र धारकों को मेडिकल तथा इंजीनियरिंग कॉलेजों में भी प्रवेश मिल जाता है। पुलिस तथा द्वितीय श्रेणी की कई सेवाओं में विशेष रूप से प्राथमिकता दी जाती है।

आज की युवा पीढ़ी के लिए अनुशासन, आत्मनिर्भरता, भ्रातृत्व और अन्य चारित्रिक गुणों के विकास के लिए सैन्य शिक्षा का महत्व असंदिग्ध है। अतः इस कार्य को पूरा करने के लिए नेशनल कैडेट कोर का महत्वपूर्ण योगदान है। यह संगठन अपने उद्देश्यों में पूरी तरह सफल रहा है। छात्र एवं छात्राओं को इस संगठन में भर्ती होकर युवाओं के विकास के लिए तथा राष्ट्र की उन्नति के लिए नेशनल कैडेट कोर का प्रशिक्षण प्राप्त करने से अच्छा कोई दूसरा तरीका नहीं है।

इन्टरप्रिटिंग ड्रामा

महाविद्यालय में दिनांक 08.01.2018 को अंग्रेजी विभाग द्वारा 'इन्टरप्रिटिंग ड्रामा' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। डी.एस.कॉलेज अलीगढ़ से पधारी अंग्रेजी की विद्वान डा. बीना अग्रवाल ने छात्राओं को पावरपाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से ड्रामा को कैसे समझा जाये व ड्रामा को किन मापदंडो पर परख कर उसकी प्रशंसा की जाये जैसे बिंदुओं को सरल सहज भाषा में व दिन प्रतिदिन के उदाहरणों से समझाया। डा. बीना जी ने अपने वक्तव्य में ग्रीक, अंग्रेजी, संस्कृत, हिन्दी आदि भाषाओं के नाटकों के उदाहरण देकर उनके मुख्य बिंदुओं से भी छात्राओं को परिचित कराया। कार्यक्रम के अन्त में विभागाध्यक्षा डा. अंजुबाला अग्रवाल ने डा. बीना को स्मृति चिन्ह भेंट किया एवं हार्दिक धन्यवाद दिया। इस अवसर पर विभाग की प्रवक्ताएं डा. सुनीता अवस्थी व श्रीमती रश्मि चतुर्वेदी भी उपस्थित रहीं।

सामूहिक चर्चा- क्या हम भारतीय पर्यावरण संरक्षण के प्रति गम्भीर हैं?

दिनांक 09–01–2018 को महाविद्यालय में समाज शास्त्र विभाग द्वारा ''क्या हम भारतीय पर्यावरण संरक्षण के प्रति गम्भीर हैं? विषय पर सामूहिक चर्चा का आयोजन किया गया। समूह चर्चा सत्र का संचालन समाजशास्त्र विभागाध्यक्षा डा. भारती सागर ने किया। विषय के पक्ष में प्रिया सोनी, दिव्यज्योति, अंजली, उपमा, गायत्री, शालू, पूजा गोला, कालिन्दी आदि ने सक्रिय सहभागिता की एवं तर्क प्रस्तुत किये। गुंजन गोस्वामी, प्रतीक्षा, मेनाज, असमा, आरती, ममता, भावना, मधु ने विषय के विपक्ष में अपने तर्क दिये। तर्क वितर्क के दौरान कई मुद्दे प्रकाश में आये जैसे भारतीय संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण, देश में वन क्षेत्र की स्थिति, ग्रीन हाइवे प्रोजेक्ट, ऑड ईवन, गंगा यमुना प्रोजेक्ट, स्वच्छता अभियान आदि। पर्यावरण संरक्षण को लेकर नवीन गतिविधियों एवं चुनौतियों पर भी समूह में चर्चा हुई। इस अवसर पर समाजशास्त्र विभाग से प्रवक्ता डॉ नेहा सक्सैना का विशेष सहयोग रहा।

अतिथि व्याख्यान

दिनांक 10–01–2018 को महाविद्यालय में समाज शास्त्र विभाग द्वारा ''भीमा कोरेगाँव की घटना और दलित सवर्ण संबंध'' विषय पर अतिथि व्याख्यान का अयोजन किया गया। अतिथि व्याख्याान के लिये के. आर. पी.जी. कॉलेज के समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ राजेश अग्रवाल जी, सेवानिवृत्त समाजशास्त्र प्रवक्ता डॉ शरद चन्द्र सक्सैना जी तथा के. आर. पी.जी. कॉलेज से राजनीति शास्त्र विभाग से डॉ. अशोक जौहरी ने अपने विचार प्रस्तुत किये। सर्वप्रथम डॉ राजेश अग्रवाल जी ने भीमा कोरे गाँव की घटना के प्राचीन इतिहास पर प्रकाश डाला। इसके बाद डॉ जौहरी ने घटना के राजनैतिक पक्ष व जाति के राजनीतिकरण की बात कही। व्याख्यान के उपरान्त छात्राओं ने अपने प्रश्न रखे कि दलित जाति के लोगों ने भारतीय होते हुये भी अंग्रेजों का साथ क्यों दिया? दलित शौर्य दिवस क्यों मनाते हैं? प्रशासन की तरफ से लापरवाही का प्रश्न भी उठा। आज दलित सवर्ण संबंध किस दिशा में जा रहे हैं जैसे प्रश्नों पर मंथन हुआ। छात्राओं गुंजन, अंजली, दिव्यज्योति, असमा, उपमा, ममता आदि ने प्रश्न पूछे। इस अवसर पर प्राचार्या प्रीति जौहरी जी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम संचालन डा. भारती सागर ने किया।

युवा दिवस

महाविद्यालय में रेन्जर्स प्रभारी डा. नीतू गोस्वामी के निर्देशन में विवेकानन्द जयन्ती 'युवा दिवस' के रूप में मनायी गयी, जिसमें रेन्जर्स छात्राओं के लिये विवेकानन्द जी के सन्दर्भ में विचार विमर्श कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन वृत एवं उनके जीवन मूल्यों के सन्दर्भ में अपने विचार प्रस्तुत कर छात्राओं को प्रेरित किया। बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा बुशरा ने 'समाज और युवा' विषय पर अपने विचार रखे। छात्रा को उक्त विषय पर पूर्व में प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया जा चुका है। इसी क्रम में डा. नीतू गोस्वामी ने विवेकानन्द के द्वारा दी गई शिक्षाओं से छात्राओं को प्रेरित किया। इसके साथ ही कार्यक्रम में छात्राओं को उनके शिकागो भाषण और उनके सन्देशों पर आधारित दो डाक्यूमेन्टरी भी दिखायी गयी। डाक्यूमेन्टरी दिखाने के पश्चात छात्राओं से प्रश्न भी पूछे गये जिनका छात्राओं ने सन्तोषजनक उत्तर दिया। कार्यक्रम का संचालन डा. नीतू गोस्वामी ने किया।

वीडियो कान्फ्रेन्सिंग द्वारा 'कैरियर काउन्सलिंग'

महाविद्यालय में दिनांक 15.01.2018 को कैरियर काउन्सलिंग प्रकोष्ठ के तत्वावधान में छात्राओं के लिए कैरियर परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से यूनाइटेड स्टेट्स की परियोजना प्रबंधन सलाहकार के क्षेत्र में अग्रणी कम्पनी 'रिफाइन एम' से भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक श्री नरेन्द्र श्रीवास्तव जी द्वारा यू.एस. से लिया गया। दो घण्टे के इस कार्यक्रम मे बी.ए., बी.कॉम. तृतीय एवं एम.ए., एम.कॉम की छात्राओं ने प्रमुखता से सहभागिता की। स्नातक स्तर की छात्राओं ने राजनीति विज्ञान, चित्रकला, समाजशास्त्र एवं स्नातक स्तर पर हिन्दी,

अंग्रेजी साहित्य जैसे विषयों तथा एकाउन्टिंग आदि में कैरियर के परम्परागत एवं नवीन उभरते क्षेत्रों से संबंधित जानकारी प्राप्त की। साथ ही इस अवसर पर प्रमुख वक्ता एवं परामर्शक श्री एन.के. श्रीवास्तव जी ने बताया कि कैरियर निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों, उनसे जुड़ी योग्यताओं एवं कौशल के चयन में व्यक्तिगत रूचि, योग्यता, कौशल, कार्य का क्षेत्र, पारिश्रमिक आदि विषयों को भी संज्ञान में लेने की जरूरत है। आपने बदलते परिवेश में अपने लिए कैरियर के चयन में विभिन्न स्रोतों से पर्याप्त जानकारी लेने के लिए प्रेरित किया तथा बताया कि संबंधित क्षेत्र से जुड़े लोगों के अनुभव, गुरूजनों का मार्गदर्शन एवं इन्टरनेट पर उपलब्ध सूचनाएं भी उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं।

कार्यक्रम में शिक्षिकाओं ने भी श्री एन.के. श्रीवास्तव जी से चर्चा की। इस संदर्भ में समाजशास्त्र विभाग से डा. भारती ने महिलाओं के लिए कैरियर निर्माण में ऐसे नवीन क्षेत्रों को जानना चाहा जिनमें वे घर पर रहकर ही कार्य कर सकें। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने इस संदर्भ में महिला उद्यमिता के क्षेत्र में सम्भावनाओं पर प्रकाश डाला। के. आर. कॉलेज से प्रोफेसर डा. ए.के. जौहरी जी ने विदेशी कम्पनियों में भारतीयों के लिए तथा विदेश मे जाकर रोजगार पाने के लिए प्रश्न रखा। कई छात्राओं ने विदेश में कैरियर व रोजगार पाने से जुड़े प्रश्न पूछे। इस पर श्री एन. के. श्रीवास्तव जी ने अच्छे अकादमिक रिकार्ड के साथ–साथ विदेश से शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम में जो मूल बात उभर कर आयी वह थी व्यक्तिगत रूचि, रचनात्मकता, प्राथमिकताओं, परिस्थितियों, स्वयं की योग्यता एवं कौशल को ध्यान में रखकर कैरियर का चुनाव करें। इस विषय में परम्परागत के साथ–साथ नये उभरते क्षेत्रों को भी देखें। इन्टरनेट से सूचनाओं का संग्रहण, सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग में निपुणता आपके लिए सहायक होगी। छात्राओं की मुख्यवक्ता श्री एन.के. श्रीवास्तव जी के साथ चर्चा एवं कार्यक्रम अत्यधिक सफल एवं रूचिकर रहा। प्राचार्या जी के धन्यवाद के उपरान्त कार्यक्रम पूर्ण हुआ। सत्र के आयोजन में श्री पवन सिकरवार, श्री आशीष शर्मा एवं कु. पूजा गोयल का तकनीकी सहयोग रहा।

अन्तर्महाविद्यालयी प्रतियोगिता

दिनांक 16.01.2018 को महाविद्यालय में अन्तर्महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में हिन्दी, अंग्रेजी निबन्ध प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता शामिल थीं। भाषण प्रतियोगिता का विषय ''महिला सुरक्षा कानून सदुपयोग एवं दुरूपयोग'' एवं वाद विवाद प्रतियोगिता का विषय ''राष्ट्र की प्रगति के लिए राष्ट्रवाद की भावना होना आवश्यक है'' वहीं हिन्दी निबन्ध का विषय ''बढ़ते शहरीकरण का भारतीय समाज पर दुष्प्रभाव'' एवं अंग्रेजी निबन्ध का विषय ''यूज आफ आई.सी.टी. टूल्स इन एजुकेशन'' था। इन प्रतियोगिताओं को प्रबन्ध समिति के विविध सदस्यों द्वारा प्रायोजित किया गया, जिनमें अंग्रेजी निबंध प्रतियोगिता श्री किशन लाल सर्राफ जी की स्मृति में, हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता श्रीमती शान्ति देवी अग्रवाल जी की स्मृति में, वाद–विवाद प्रतियोगिता श्रीमती सावित्री देवी मूलचन्द सर्राफ जी की स्मृति में एवं भाषण प्रतियोगिता स्व. बाबू हरीश चन्द अग्रवाल एडवोकेट की स्मृति में प्रायोजित की गयी। कार्यक्रम के प्रारम्भ में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर मार्ल्यापण व दीप प्रज्ज्वलन महाविद्यालय सचिव श्री गिरीश अग्रवाल, श्री रवि मित्तल, उपाध्यक्ष श्री रामबाबू जी, श्री विजय प्रकाश एवं प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी द्वारा सामूहिक रूप से किया। इन सभी प्रतियोगिताओं में मथुरा शहर के अलावा बाहर के भी महाविद्यालयों ने सहभागिता की, जिनमें आर.सी. ए. महाविद्यालय के अतिरिक्त अमरनाथ कन्या महाविद्यालय, मथुरा, श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़, श्री बृज बिहारी महाविद्यालय, कोसीकलां, बैकुण्ठी देवी कन्या महाविद्यालय, आगरा, किशोरी रमण कन्या महाविद्यालय, मथुरा, बी.एस.ए. महाविद्यालय, मथुरा, नारायण महाविद्यालय, शिकोहाबाद, एवं दाऊदयाल महाविद्यालय, फिरोजाबाद, आदि की टीमों ने सहभागिता की।

इन प्रतियोगिताओं को दो सत्रों पर सम्पन्न कराया गया। प्रथम सत्र में हिन्दी एवं अंग्रेजी निबन्ध प्रतियोगिताओं को सम्पन्न कराया गया। हिन्दी प्रतियोगिता के लिए निर्णायक की भूमिका में डा. इन्दु चतुर्वेदी एवं डा. रंजना सारस्वत रहीं, अंग्रेजी निबन्ध के लिए डा. विनय लक्ष्मी एवं डा. दीपा अग्रवाल, भाषण व वाद–विवाद प्रतियोगिता में के. आर. महाविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डा. शरद सक्सैना, के. आर. के ही पूर्व प्राचार्य डा. कुलदीप भार्गव एवं केन्द्रीय विद्यालय से डा. विनीता शर्मा निर्णायक मण्डल में रहे। इन सभी प्रतियोगिताओं में विभिन्न महाविद्यालयों की छात्राएं विजयी रहीं। इस क्रम में हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता में सविता गंगवार के. आर. गर्ल्स कालेज प्रथम, सोनम शर्मा बी. एस. ए. महाविद्यालय द्वितीय एवं दिव्य ज्योति आर.सी.ए. गर्ल्स महाविद्यालय तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता की ट्रॉफी किशोरी रमण गर्ल्स महाविद्यालय के नाम रही। अंग्रेजी निबन्ध प्रतियोगिता में शिखा भदौरिया बैकुण्ठी देवी कन्या महाविद्यालय प्रथम, चंचल शर्मा आर.सी.ए. गर्ल्स महाविद्यालय द्वितीय एवं मनीषा चौधरी बैकुण्ठी देवी कन्या महाविद्यालय तृतीय स्थान पर रहीं। इसकी ट्रॉफी बैकुण्ठी देवी कन्या महाविद्यालय के नाम रही। भाषण प्रतियोगिता में प्राप्ति गौतम आर.सी.ए. गर्ल्स महाविद्यालय प्रथम, नेहा द्विवेदी आर.सी.ए. महाविद्यालय द्वितीय एवं अनुराधा गोयल दाऊदयाल

महाविद्यालय तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता की ट्रॉफी आर.सी.ए. गर्ल्स महाविद्यालय के नाम रही। वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आर.सी.ए. गर्ल्स महाविद्यालय की छात्रा संगीता शर्मा रहीं द्वितीय स्थान पर बैकुण्ठी देवी कन्या महाविद्यालय की प्रीति शर्मा रहीं तथा तृतीय स्थान संध्या यादव नारायण पी.जी. कॉलेज शिकोहाबाद ने प्राप्त किया एवं सांत्वना पुरस्कार तृप्ति दुबे ने प्राप्त किया। इसकी ट्रॉफी आर.सी.ए. गर्ल्स महाविद्यालय के नाम रही। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम की संयोजिका अंग्रेजी विभागाध्यक्षा डा. अंजूबाला अग्रवाल थीं एवं कार्यक्रम का संचालन डा. भारती सागर ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय में पधारे सभी निर्णायकों को बुके एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गये।

राष्ट्रस्तरीय नृत्य प्रतियोगिता

दिनांक 17.01.2018 को महाविद्यालय में अंजना वेलफेयर सोसायटी के द्वारा राष्ट्रस्तरीय नृत्य प्रतियोगिता कृष्णायन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी, माया के. निगम, निधि शर्मा, माधुरी शर्मा, महाविद्यालय सचिव श्री गिरीश अग्रवाल एवं श्री विजय प्रकाश अग्रवाल द्वारा सामूहिक रूप से माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

प्रतियोगिता प्रारम्भ होने से पूर्व प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी, सचिव गिरीश अग्रवाल, निर्णायक मण्डल की माधुरी शर्मा एवं निधि शर्मा जी एवं माया के निगम जी को पटका ओढ़ाकर एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया गया। नृत्य प्रतियोगिता दो विधाओं पर आधारित रहीं जिसमें लोकनृत्य एवं पाश्चात्य नृत्य शामिल था। लोकनृत्य में 12 एवं पाश्चात्य नृत्य में 13 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में सभी बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की समाप्ति पर बिरजू महाराज जी की पौत्री सुश्री रागिनी जी ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया एवं शिष्या माया के. निगम जी ने मीरा पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर समां बांध दिया। धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने दिया एवं कार्यक्रम का संचालन सोनिका शर्मा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री गिरीश अग्रवाल जी ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका डा. नम्रता मिश्रा एवं सहयोगी डा. नीतू गोस्वामी तथा महाविद्यालय की समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

संत रविदास जयंती

दिनांक 26.01.2018 को महाविद्यालय में महान संत, कवि एवं समाज सुधारक संत रविदास की जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने उनके विषय में व्याख्यान दिया तथा उनकी रचनाओं के माध्यम से छात्राओं को बताया कि संत रविदास आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध एवं महान समाज सुधारक थे तथा उन्होंने अनेक रचनाओं के माध्यम से समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में श्रीमती पूजा पालीवाल ने बताया कि उस समय देश का सामाजिक एवं धार्मिक स्वरूप बेहद दुःखद था तथा मानव द्वारा ही मानव के लिये रंग, जाति, धर्म और सामाजिक मान्यताओं के आधार पर भेदभाव किया जाता था। ऐसे समय में उन्होंने लोगों को सिखाया कि बिना भेदभाव के मनुष्यों से प्रेम करो।

रविदास जयंती के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने कहा कि संत रविदास ने अनेक रचनाओं के माध्यम से समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और उनकी लोकवाणी का अद्भुत प्रयोग था, जिसका मानव धर्म और समाज पर अमिट प्रभाव पड़ता है। ऐसे मानवता के उद्धारक संत रविदास का संदेश निश्चित रूप से संसार के लिये कल्याणकारी है।

अंग्रेजी विभाग द्वारा कार्यशाला

आज के इस दौर में जहाँ एक ओर हिन्दी को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा देने के लिए हिन्दी साहित्यकारों द्वारा तमाम प्रयास किये जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर 21वीं सदी की आधुनिक क्रांति के इस दौर में अंग्रेजी भाषा का ज्ञान होना आज सफलता की कुंजी बनता जा रहा है। इसी जरूरत को दृष्टिगत रखते हुए छात्राओं को अंग्रेजी भाषा में पारंगत करने को लेकर महाविद्यालय में अंग्रेजी भाषा से संबंधित सातदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के द्वारा आयोजित की गयी इस कार्यशाला के दौरान अंग्रेजी विभाग की अध्यक्षा डा. अंजूबाला अग्रवाल ने कार्यशाला में भाग लेने आयीं छात्राओं को Phonetics विधि के द्वारा अंग्रेजी शब्दों के उच्चारण से संबंधित बारीकियों को समझाया और इंगलिश स्पीकिंग की जानकारी दी। विगत 29 जनवरी को शुरू हुई इस कार्यशाला के दौरान छात्राओं को इंगलिश के शब्दों को बोलने एवं शब्दों के उच्चारण से उत्पन्न होने वाली ध्वनि के बारे में प्रोजेक्टर के माध्यम से अभ्यास भी कराया गया। अंग्रेजी विभागाध्यक्षा डा. अंजूबाला अग्रवाल के निर्देशन में इस कार्यशाला के छठवें दिन कार्यशाला में भाग ले रहीं छात्राओं के बीच एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर Speech Competition, Poem Recitation Competition, Spelling Competition का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया गया। प्रतियोगिता में अपना बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए Spelling Competition में बी.ए. द्वितीय वर्ष

की छात्रा दिव्य ज्योति ने प्रथम, दिव्या सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं Speech Competition में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा दिव्या सिंह ने प्रथम, लवली राजपूत ने द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान काजल ने प्राप्त किया। इसके अलावा Poem Recitation Competition में अंकिता वर्मा ने प्रथम, अनम ने द्वितीय और रव्याति चौधरी एवं पूजा सैनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इन सभी प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका डा. अर्चना पाल व डा. कल्पना वाजपेयी द्वारा निभायी गयी। इस मौके पर विभागाध्यक्षा डा. अंजूबाला अग्रवाल व डा. कल्पना वाजपेयी ने छात्राओं को स्पेलिंग लर्निंग को लेकर महत्वपूर्ण टिप्स भी दिये। इस दौरान कॉलेज की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी व रश्मि चतुर्वेदी भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डा. सुनीता अवस्थी द्वारा किया गया।

कार्यशाला के अंतिम दिन प्रोजेक्टर के माध्यम से छात्राओं को अंग्रेजी भाषा के महान लेखक ''विलियम शेक्सपीयर'' द्वारा लिखे गये नाटक Othello और महेश दत्तानी द्वारा लिखे गये नाटक Seven Steps around the Fire को दिखाया गया जिसे छात्राओं ने बेहद गंभीरता और ध्यानपूर्वक देखा। इसके पश्चात कार्यशाला में भाग लेने वाली छात्राओं को विभागाध्यक्षा डा. अंजूबाला अग्रवाल द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किये गये और इसी के साथ सात दिनों तक चली कार्यशाला का सफल समापन हो गया।

त्रिदिवसीय निपुण शिविर

महाविद्यालय में 31.01.2018 से 02.02.2018 तक त्रिदिवसीय निपुण शिविर का आयोजन रेन्जर प्रभारी डा. नीतू गोस्वामी के निर्देशन में किया गया। शिविर के प्रथम दिन छात्राओं को रेन्जर्स के मूल नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झण्डा गान आदि की जानकारी दी गयी। इसके अतिरिक्त ध्वजारोहण के लिए ध्वज किस प्रकार तैयार किया जाता है तथा वी–फार्मेशन बनाकर किस प्रकार सलामी दी जाती है इसका अभ्यास भी कराया गया। शिविर के दूसरे दिन छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के टैन्ट लगाना सीखा। तम्बू निर्माण के तहत छात्राओं ने एक लाठी, तीन लाठी, चार लाठी, पाँच लाठी तथा बिना लाठी के एवं चादर व साड़ियों के प्रयोग से तम्बू निर्माण करना सीखा।

शिविर के अन्तिम दिन छात्राओं द्वारा बिना बर्तनों के भोजन एवं बिना आग के भोजन बनाया गया। इस शिविर में छात्राओं को आपदा के समय हम प्रतिकूल परिस्थितियों में किस प्रकार कुछ व्यंजन बनाकर पेट भर सकते हैं, यह सिखाया गया। छात्राओं ने लकड़ी की आग पर बाजरे की रोटी, बिना बर्तन के चाय, दही बड़े, फ्रूट चाट, सलाद, बाटी चोखा इत्यादि विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाये। छात्राओं द्वारा बनाये गये व आकर्षक ढ़ंग से परोसे गये भोजन की सभी प्राध्यापिकाओं ने प्रशंसा की। इस शिविर मे श्री प्रमोद कुमार (एच.बी.डब्लू) तथा श्रीमती सारिका भाटिया (एच.बी.डब्लू) का विशेष सहयोग रहा। इस त्रिदिवसीय शिविर में छात्राओं द्वारा किये गये कार्य की प्रशंसा करते हुए प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने आगे भी बेहतर करने के लिये प्रेरित किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

महाविद्यालय में Indian Council of World Affairs (विश्व मामलों की भारतीय परिषद) द्वारा प्रायोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 17.02.2018 एवं 18.02.2018 को किया गया, जिसका विषय – ''वन बेल्ट वन रोड– चीन की चुनौती एवं भारत का कूटनीतिक प्रत्युत्तर''। इस संगोष्ठी में समसामयिक विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा करके तार्किक विश्लेषण किया गया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री श्रीकान्त कोन्डापल्ली, विशिष्ट अतिथि श्री संजीव श्रीवास्तव, अध्यक्ष प्रो. एम. गुलरेज, महाविद्यालय प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी, सचिव श्री गिरीश अग्रवाल, डा. अशोक जौहरी एवं डा. योगेन्द्री उपाध्याय द्वारा सामूहिक रूप से माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात सभी आगन्तुक अतिथियों का पुष्प देकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम बोलते हुए विशिष्ट अतिथि श्री संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि वन बेल्ट वन रोड प्रोजेक्ट के माध्यम से चीन अपने इस्पात और अन्य निर्माण सामग्री के लिये नये बाजार का लाभ उठा सकता है। यह प्रोजेक्ट ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और पश्चिम के अन्य देशों में भूमंडलीकरण का विरोध बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल चीन के बड़ी ताकत बनने के लक्ष्य को पूरा कर सकती है, इसीलिये भारत को इस विषय में सतर्कता बरतनी चाहिये इसलिये भारत द्वारा इस पर प्रश्न चिह्न लगाया गया है।

मुख्य अतिथि प्रो. श्रीकान्त कोन्डापल्ली ने कहा कि वन बेल्ट वन रोड के माध्यम से चीन तीन महाद्वीपों एशिया, यूरोप और अफ्रीका को सीधे तौर पर जोड़ना चाहता है तथा इस प्रोजेक्ट के माध्यम से चीन पूरे विश्व में अपनी हैसियत बढ़ाना चाहता है। प्रो. कोन्डापल्ली ने कहा कि चीन में कम्युनिस्ट पार्टी का कहना है कि 2050 तक इस प्रोजेक्ट का असर दिखेगा। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2013 में कजाकिस्तान में कहा था कि सिल्क रोड एक आर्थिक बेल्ट के रूप में सिद्ध होगी। शुरू में यह विचार मध्य एशिया में परिवहन उद्देश्य से शुरू किया गया था परन्तु बाद में इसमें बन्दरगाहों, पाइपलाइन आदि को जोड़ दिया गया है। प्रो. कोन्डापल्ली ने कहा कि चीन आज निर्माण के क्षेत्र में विश्व में दूसरे स्थान पर है।

आज भारत को यह भी ध्यान रखना होगा कि चीन वास्तव में जितनी पूँजी लगाने का दावा कर रहा है वह वास्तविक रूप में भी साकार होगी या नहीं ? और साथ ही चीन के द्वारा इस पर पारदर्शिता बरती जा रही है या नहीं इस पर भी निगरानी रखनी होगी क्योंकि इस के द्वारा चीन अपनी सामरिक स्थिति भी मजबूत कर पायेगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो.एम.गुलरेज ने कहा कि रेशम सड़क आर्थिक पट्टी तथा 21 वीं सदी की सामुद्रिक रेशम सड़क की दो परियोजनाओं को मिलाने के लिये सितम्बर 2013 में वन बेल्ट वन रोड कार्यक्रम का प्रस्ताव किया गया था, परन्तु विवादित जमीन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से गुजरने वाला चीन–पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर (सीपीईसी) भी ओ. बी. ओ. आर. का हिस्सा है और यह भारत के लिये चिंता का विषय है इसलिये हमें इस विषय में सजगता और सावधानी रखनी होगी। प्रो. गुलरेज ने कहा कि वन बेल्ट वन रोड के माध्यम से चीन अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं को नई दिशा देना चाहता है जो इसने दक्षिण एशिया में शुरू भी कर दिया है।

उद्घाटन सत्र के उपरान्त तकनीकि सत्र में छात्र एवं प्रोफेसर वर्ग ने उक्त विषय पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस तकनीकि सत्र की अध्यक्षता श्री संजीव कुमार जी ने की तथा रिपोर्टर डा. अंजूबाला अग्रवाल रहीं। इस अवसर पर लगभग 15 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने धन्यवाद किया। कार्यक्रम की संयोजिका डा. योगेन्द्री ने संगोष्ठी के उद्देश्य के विषय में बताया। कार्यक्रम का संचालन डा. भारती सागर ने किया। संगोष्ठी संयोजक सचिव डा. अशोक जौहरी ने कहा कि यह संगोष्ठी निश्चित रूप से इस विषय से सम्बन्धित नये आयाम प्रस्तुत करेगी।

दो दिवसीय संगोष्ठी के द्वितीय दिवस पर समापन सत्र का आयोजन किया गया। समापन सत्र से पूर्व एक तकनीकि सत्र का आयोजन भी किया गया जिसमें अनेक शोधार्थी एवं प्राध्यापकगणों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। इस सत्र की अध्यक्षता डा. संजीव श्रीवास्तव ने की जो कि जे. एन.यू. नई दिल्ली से हैं। इसके साथ रिर्पोटिंग डा. नम्रता मिश्रा ने की तथा शोध पत्रों की प्रस्तुति उपरान्त सभी शोध पत्रों का विश्लेषण कर रहे आई. सी. डब्ल्यू. ए. से आए डा. संजीव कुमार जी ने सभी शोध पत्रों पर अपनी समीक्षात्मक टिप्पणी दी।

संगोष्ठी में उमेश कुमार गुप्ता, शरीफ हजूर, उलमान स्लेहल, अजित, उमंगिका, अन्तरा सक्सैना, राखी कुशवाह, अनामिका सिंह, अजहा अमीन, डा. सुधीर प्रताप सोलंकी, डा. सुरेन्द्र कुमार, डा. प्रमोद पाल सिंह, डा. वीरमति, डा. सीमा शर्मा, डा. अन्जूबाला अग्रवाल, डा. अर्चना पाल, डा. नीतू गोस्वामी, विराट अग्रवाल, श्रीमती स्वाति पारीक आदि ने वन बेल्ट वन रोड से जुड़े विभिन्न आयामों जैसे – चीन की वन बेल्ट वन रोड योजना तथा मोदी की विदेश नीति, विकास परियोजना या सोची समझी रणनीति, वन बेल्ट वन रोड – भारत का कूटनीतिक प्रत्युत्तर, वन बेल्ट वन रोड के माध्यम से चीन की विश्व में संयोजकता एवं भारत की सम्प्रभुता पर उसका प्रभाव आदि विषयों पर लगभग तीस शोध पत्र प्रस्तुत किये गये।

समापन सत्र में पूर्व में वाशिंगटन, जर्मनी, ब्राजील में भारत की राजदूत रहीं श्रीमती मीरा शंकर मुख्य अतिथि थीं तथा ले. जनरल ए. के. सिंह जो कि अण्डमान निकोबार तथा पांडिचेरी में उप–राज्यपाल भी रहे हैं, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस समापन सत्र की अध्यक्षता पूर्व विधान मण्डल दल के नेता श्री प्रदीप माथुर ने की ।

विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेन्ट जनरल श्री ए. के. सिंह ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम अपनी सैन्य शक्ति के आधुनिकीकरण पर विशेष बल दें। चीन ने अपनी दूरगामी सैन्य नीति के द्वारा अपने सैन्य बल को आधुनिक उपकरणों से समृद्ध किया है। श्री ए. के. सिंह ने कहा कि आज भारत की एक बड़ी चिंता बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका, नेपाल तथा मालदीव जैसे पड़ोसी देशों में चीन की बढ़ती विभिन्न प्रकार की गतिविधियों से भी है। ये देश चीन की वन बेल्ट वन रोड परियोजना के हिस्से तो हैं ही साथ ही चीन को जमीन उपलब्ध कराकर वहाँ नौसैनिक अड्डे एवं बंदरगाह भी बनाये जा रहे हैं। म्यांमार के कोकोद्वीप और बांग्लादेश के चटगाँव से लेकर श्रीलंका के हबनटोटा और पाकिस्तान के ग्वादर में चीन की राजनीतिक गतिविधियाँ चिंता का विषय है। ले. जनरल श्री सिंह ने कहा कि भारत को भी अपने पड़ोसी देशों के साथ सम्बन्ध सुधारने चाहिये क्योंकि चीन एशिया में अपने को सुपरपावर मानता है और हमें विवाद के स्थान पर सहयोग का रूख अपनाना चाहिये।

मुख्य अतिथि श्रीमती मीरा शंकर (पूर्व राजदूत) ने कहा कि वन बेल्ट वन रोड परियोजना भारत के लिये एक बहुत बड़ी चुनौती है और इस परियोजना में चुनौतियाँ अधिक हैं और लाभ कम हैं। भारत ही एकमात्र देश है जिसने इसका खुलकर विरोध किया है। इस योजना के द्वारा चीन भारत को सामरिक तौर पर घेरना चाहता है। श्रीमती मीरा शंकर ने कहा कि हमें आसियान देशों से रिश्ते और मधुर बनाने चाहिये। उन्होंने कहा चीन की रणनीति में आर्थिक हित सर्वोपरि हैं। भारत को अपनी अर्थव्यवस्था के समुचित विकास के लिये बेहतर कार्ययोजना तैयार करनी चाहिये तथा अपने औद्योगिक ढाँचे को और अधिक विकसित करना चाहिये। पूर्व राजदूत मीरा शंकर ने कहा कि हमें (ए.ए.जी.सी.) एशिया अफ्रीका ग्रोथ कॉरिडोर बनाने की योजना को जापान का सहयोग लेकर आगे बढाना चाहिये।

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री प्रदीप माथुर ने कहा कि चीन की विस्तारवादी प्रवृत्ति भारत की विदेश नीति की प्रमुख चुनौती है, उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विदेश भ्रमण में अधिक रूचि दिखा रहे हैं जबकि उन्हें अपने पड़ोसी देशों के साथ सम्बन्ध सुधारने पर अधिक बल देना चाहिये तथा अपने भूस्थल और समुद्री सीमाओं के बीच संयोजकता का आधुनिकीकरण करना चाहिये।

संगोष्ठी के आयोजक सचिव डा. अशोक जौहरी ने कहा कि चीन की वन बेल्ट वन रोड परियोजना का प्रत्युत्तर देने के लिये अफ्रीकी विकास बैठक में 'एशिया अफ्रीका ग्रोथ कॉरिडोर' परियोजना को आगे बढ़ाया जाना चाहिये तथा चीन की बढ़ती वैश्विक स्वायत्तता को एक बड़े खतरे के रूप में देखा जाना चाहिये। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने कहा कि भारत चीन सीमा विवाद दोनो देशों के संबंधों के बीच एक बड़ा अवरोध है और शायद चीन भी जानबूझकर इस सीमा विवाद को सुलझाना नहीं चाहता है इसीलिये भारत सरकार को वन बेल्ट वन रोड योजना पर दूरगामी कूटनीतिक रणनीति अपना कर चीन के इस लक्ष्य को सफल होने से रोकना चाहिये। संगोष्ठी के समापन सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

पुरातन छात्रा परिषद बैठक

दिनांक 20-02-2018 को महाविद्यालय में पुरातन छात्रा परिषद की एक बैठक आयोजित की गयी, जिसमें पुरातन छात्रा परिषद की छात्राओं के लिए कुछ प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। इन प्रतियोगिताओं में गायन प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, रस्सी कूद, दौड़ प्रतियागिताएं सम्मिलित थीं। कार्यक्रम के प्रारम्भ में गायन प्रतियोगिता रखी गयी, जिसकी निर्णायक डा. भारती सागर एवं डा. अर्चना पाल थीं। इस प्रतियोगिता में उषा मिश्रा प्रथम, साधना अग्रवाल द्वितीय रहीं। नृत्य प्रतियोगिता में सारिका अग्रवाल प्रथम रहीं। रस्सी कूद में शशी प्रथम, दौड़ में उषा मिश्रा प्रथम रहीं। म्यूजिकल चेयर गेम में डा. शीला मिश्रा प्रथम रहीं। इन सभी प्रतियोगिताओं मे पुरातन छात्रा परिषद की सभी छात्राओं ने बढ–चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर पुरातन छात्रा मोनिका को बैंक में पी.ओ. के लिए चयनित होने पर तथा महाविद्यालय की अत्यन्त पुरातन छात्रा रहीं व वर्तमान में महाविद्यालय में प्राध्यापिकाएं डॉ. कल्पना वाजपेयी एवं डा. अन्जूबाला अग्रवाल को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने किया और अपने उद्बोधन में उन्होंने पुरातन छात्राओं के मंगल भविष्य की कामना करते हुए जीवन में ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. नम्रता मिश्रा ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका डा. नीतू गोस्वामी थीं।

ब्रेस्ट कैन्सर के प्रति जागरूकता

दिनांक 20.02.2018 को महाविद्यालय में 'सर्वोदय हॉस्पिटल और अनुसंधान केन्द्र फरीदाबाद से आयी चिकित्सकों की टीम द्वारा महाविद्यालय की छात्राओं को ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डा. आदित्य मुरली जो सर्वोदय हॉस्पिटल में स्तन कैंसर के विशेषज्ञ हैं, ने छात्राओं को स्तन कैंसर के विषय में समझाते हुए बताया कि कैंसर एक बीमारी ही नहीं अपितु बहुत सारी बीमारियों का समूह है, अतः कभी इसकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिये। इसके लक्षणों में कभी घाव दो–तीन हफ्तों में न भरे, कहीं कोई गांठ हो, कहीं से खून रिसाव की शिकायत हो तो तुरन्त डॉक्टर से सम्पर्क करना चाहिए। आज कैंसर के कारणों की बात करें तो वातावरण, हमारा खानपान और कभी–कभी वंशानुगत कारणों से यह बीमारी होती है। पचास की उम्र पर वजन बढ़ने के कारण भी यह बीमारी हो सकती है। इसके लिए महिलाओं को समय–समय पर अपनी जाँच कराने से झिझकना नहीं चाहिये। अपने परिजनों को धूम्रपान इत्यादि से रोकना चाहिये। खान–पान का ध्यान रखना चाहिये। नियमित व्यायाम करना चाहिये। अतिथि व्याख्यान के पश्चात् महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा डॉ. आदित्य मुरली से कुछ समस्याओं के समाधान भी जाने गये।

कार्यक्रम के अन्त में अतिथि डॉक्टर आदित्य मुरली जी को अंग्रेजी विभागाध्यक्षा डा. अंजूबाला अग्रवाल द्वारा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. नम्रता मिश्रा ने किया।

पुरस्कार वितरण समारोह

महाविद्यालय में दिनांक 23.02.2018 को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर मुख्य अतिथि श्री रघुराज जी, भारतीय जनता पार्टी के बृज प्रदेश के अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि श्री प्रदीप सर्राफ, श्री समीर सर्राफ, महाविद्यालय सचिव श्री गिरीश अग्रवाल, प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने सामूहिक रूप से माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया। तत्पश्चात् सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में संगीत विभागाध्यक्षा डा. नम्रता मिश्रा के निर्देशन में छात्राओं द्वारा गुरू वन्दना प्रस्तुत की गयी। छात्रा रूपम शर्मा द्वारा 'मोहे पनघट पे नन्दलाल छेड़ गयो' गाने पर नृत्य प्रस्तुत किया गया। छात्रा निधि शर्मा ने 'झनक झनक तोरी बाजे पायलिया' पर नृत्य प्रस्तुत किया। छात्रा दिव्यांशी शर्मा ने राजस्थानी गीत 'केसरिया बालमा' की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। छात्रा गौरी दीक्षित

ने होली की प्रस्तुति देकर सारे वातावरण को आनन्दमय कर दिया। छात्रा मोनिका गौतम ने कालबेलिया नृत्य प्रस्तुत कर सभागार को राजस्थान के रंग में रंग दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ जिसमें वर्ष भर आयोजित प्रतियोगिताएं यथा भाषा ज्ञान प्रतियोगिता, पद गायन प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, स्वरचित काव्य पाठ, प्रतिभा खोज, पोस्टर प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, कोलाज प्रतियोगिता, अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता, हिंदी भाषण प्रतियोगिता, विचार गोष्ठी प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियेागिता, क्विज प्रतियोगिता, सुगम संगीत प्रतियोगिता, लोकगीत प्रतियोगिता, शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता, लोकनृत्य प्रतियोगिता, एकल अभिनय आदि में विजयी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इन सभी प्रतियोगिताओं में निम्न छात्राएं विजयी रहीं– काजल अग्रवाल, ख्याति चौधरी, नेहा द्विवेदी, गुंजन गोस्वामी, जागृति भारद्वाज, सुनीता कुमारी, खुशबू आचार्य, प्रिया पाराशर, पूजा गुप्ता, मोनिका गौतम, दिव्या दीक्षित, गुंजन गोस्वामी, भावना सैनी, कल्पना बोष, माधुरी शर्मा, प्रीति गोस्वामी, गौरी दीक्षित, अंजली, दुर्गा घोष, दिव्या सिंह, भूमिका वार्ष्णेय, मंजरी शर्मा, मोहिनी शर्मा, चंचल शर्मा, संगीता शर्मा, गरिमा जोशी, राधिका गुप्ता, मुक्ति भारद्वाज, श्रुति शर्मा, मानसी राजपूत, स्नेहा गौड़, प्रतीक्षा शर्मा। पुरस्कारों की श्रेणी में तृतीय श्रेणी कर्मचारी में से इस वर्ष श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु कु. पूजा गोयल को पुरस्कार दिया गया। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी में प्रदीप कुमार को पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार स्वरूप पूजा गोयल को 5000 रू., प्रमाण पत्र और शील्ड प्रदान की गयी एवं प्रदीप कुमार को 4000 रू., प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान की गयी। इन पुरस्कारों को श्री समीर सर्राफ, ब्रजवासी स्वीट्स, वृन्दावन जी द्वारा प्रायोजित किया गया। सर्वश्रेष्ठ छात्रा का पुरस्कार चंचल शर्मा को दिया गया, जिसमें ट्राफी के साथ 7000 रू. की नगद राशि प्रदान की गयी। यह पुरस्कार श्री प्रदीप सर्राफ जी, हीरा ज्वैलर्स की ओर से प्रायोजित था। इसी क्रम में सर्वश्रेष्ठ शिक्षिका का पुरस्कार डा. कल्पना वाजपेयी को दिया गया उन्हें 11000 रू. की नगद राशि एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार को श्री गणेश अग्रवाल पोशाक वालों द्वारा प्रायोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रघुराज जी ने कहा कि में यहाँ की छात्राओं से अत्यधिक प्रभावित हुआ क्योंकि यहाँ अनुशासन का पूर्ण पालन किया जाता है और यह विद्यालय पूर्ण रूपेण स्वच्छ और सुन्दर है। यहाँ का यह कार्य प्रशंसनीय है कि यहाँ शिक्षक, तृतीय श्रेणी कर्मचारी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को भी प्रोत्साहित करने के लिए उनका सम्मान किया जाता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय सचिव द्वारा स्मृति चिह्न भेंट कर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. भारती सागर ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की समस्त प्राध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

रोजगार मेले का आयोजन

महाविद्यालय में छात्राओं के सर्वांगीण विकास के साथ–साथ उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 16.07.2018 को आर.सी.ए. महाविद्यालय तथा खजानी वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त प्रयासों से रोजगार मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मथुरा की सांसद श्रीमती हेमामालिनी, कार्यक्रम अध्यक्ष श्री बाँके बिहारी माहेश्वरी, विशिष्ट अतिथि पूर्व नगरपालिकाध्यक्षा श्रीमती मनीषा गुप्ता, प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी, सचिव श्री गिरीश अग्रवाल, अध्यक्ष श्री विनोद गर्ग ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने डा. नम्रता मिश्रा के निर्देशन में सरस्वती वंदना तथा गणेश वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती हेमामालिनी ने छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि अधिक से अधिक बालिकाएं शिक्षा ग्रहण करें तथा रोजगार प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील रहें, उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लोगों को स्वावलम्बी बनाने के लिये ''प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना'' जैसी योजनाओं को शुरू करके युवा शक्ति को रोजगारोन्मुख बनाने के लिये संकल्पशील हैं। इसके केन्द्र मथुरा में भी खोले जा चुके हैं। उन्होंने छात्राओं को अपने प्रेरणादायी जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने मात्र 12 वर्ष की आयु में भरतनाट्यम का शिक्षण दिया था, जिसके लिये उस समय उन्हें 250 रू. प्राप्त हुये थे, परन्तु उस राशि को प्राप्त करके उन्हें अपार खुशी हुयी। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री बाँके बिहारी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि आज आवश्यकता है कि हमारी महिलाएं शिक्षा प्राप्त कर रोजगार प्राप्त करें तथा हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों को फलीभूत करने के लिए हम सभी को प्रयास करने चाहिये। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने कहा कि आज महिलाओं को शिक्षा के साथ ही साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना भी आवश्यक है ताकि बालिकायें अपने पैरों पर खडी हो सकें तथा समाज में अपनी स्थिति सुधार सकें। उन्होंने कहा इस मेले से मेहनत और लगन से काम करने वाली महिलाओं को अच्छे संस्थानों में काम करने के अवसर प्राप्त होंगे। खजानी वेलफेयर सोसाइटी की सचिव श्रीमती शिप्रा राठी ने कहा कि रोजगार के द्वारा महिलाएं अपनी आर्थिक दशा को बेहतर बनाकर अपने परिवार की आर्थिक दशा को बेहतर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। खजानी वेलफेयर सोसाइटी के निदेशक श्री हरि मोहन माहेश्वरी ने कहा कि

नौकरी प्राप्त करने वाले तथा नौकरी देने वालों के बीच की दूरी को पाटने में निश्चित रूप से यह मेला पुल का काम करेगा। विशिष्ट अतिथि श्रीमती मनीषा गुप्ता ने कहा कि यह अच्छा अवसर है जहाँ छात्राएं रोजगार प्राप्त कर समाज में अपनी स्थिति मजबूत कर सकती हैं। कार्यक्रम का संचालन डा. भारती सागर ने किया। इस मेले में लगभग 500 छात्राओं और 25 से अधिक संस्थानों जैसे निओ न्यूज, वोडाफोन, श्री ग्रुप, कंगारू किड्स स्कूल, उमा मोटर्स, ड्रीम प्लैनर, आत्मनिर्भर स्कूटी ड्राइविंग स्कूल, राजीव इन्टरनेशनल स्कूल, समृद्धि ज्वैलर्स, पैन्टालून, वर्धमान टैक्सटाइल्स, यूरो किड्स स्कूल, ग्रोइंग सोल किड्स गुरूकुल आदि ने भाग लिया।

भावभीनी श्रद्धांजलि

दिनांक 20.07.2018 को महाविद्यालय में श्रद्धेय श्री गोपाल दास नीरज जी की दिवंगत आत्मा की शान्ति हेतु मौन प्रार्थना करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। इस दुःखद अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने उनके साथ व्यतीत किये अविस्मरणीय क्षणों को छात्राओं के साथ साझा किया, उन्होंने बताया कि दिनांक 26 जनवरी 2001 को भुज (गुजरात) में आए भूकम्प पीड़ितों की सहायतार्थ दि0 13 फरवरी 2001 को महाविद्यालय में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने सहर्ष सहभागिता की थी और अपनी कालजयी गीतों के माध्यम से सबको काव्य की रसात्मक अनुभूति करायी। प्राचार्या जी ने कहा कि हिन्दी साहित्य जगत ही नहीं अपितु सामान्य जन भी इस बिरले गीतकार की अपूर्णीय क्षति से स्तब्ध है। इस शोक संतप्त समय में प्राचार्या जी ने छात्राओं को महाविद्यालय में हुए कवि सम्मेलन की वीडियो रिकार्डिंग दिखाकर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से छात्राओं को परिचित कराया। उनका एक विशिष्ट गीत ''छुप छुप अश्रु बहाने वालो, मोती व्यर्थ लुटाने वालो, कुछ सपनों के मरने से जीवन नहीं मरा करता है'' यद्यपि हम सब को निरन्तर आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रहा है तथापि उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को हम कभी विस्मृत नहीं कर सकते। उनकी इन्हीं पंक्तियों को स्मरण करते हुए सभी छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं ने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राध्यापिकाएं उपस्थित थीं।

अतिथि व्याख्यान

दिनांक 24.07.2018 को महाविद्यालय में छात्राओं के ज्ञानवर्धन हेतु ''How to achieve your aim'' विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें अतिथि व्याख्याता के रूप में संस्कृति विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग के असिस्टेंट प्रो. डा. अश्विनी कुमार सिंह जी उपस्थित रहे। आज की भाग दौड़ भरी एवं अवसाद पूर्ण जिन्दगी में हम कैसे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं इस विषय पर उन्होंने छात्राओं से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि दुनिया में असम्भव कुछ भी नहीं है, सब कुछ सम्भव है। आवश्यकता है अपने लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु शिद्दत से सतत् प्रयास करने की। हम यदि अपनी उन्नति करना चाहते हैं तो हमें अपने विचारों में सकारात्मकता लानी होगी और अपने जीवन का कोई लक्ष्य निर्धारित करना होगा तभी सफलता हमारा वरण करेगी।

यह व्याख्यान खेलकूद विभाग की विभागाध्यक्षा श्रीमती मंजू दलाल के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने किया।

वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

महाविद्यालय में दिनांक 13 अगस्त 2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई–1 एवं 2 द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जनपद के मेयर श्री मुकेश आर्यबन्धु उपस्थित रहे। आपने मथुरा जनपद में पर्यावरण संतुलन हेतु किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला और स्वच्छ मथुरा और हरित मथुरा के निर्माण हेतु प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं ने इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना लक्ष्यगीत प्रस्तुत किया। तदुपरांत महाविद्यालय परिसर मे मेयर श्री आर्यबन्धु जी द्वारा गुलमोहर का वृक्षारोपण करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी, महाविद्यालय की प्रबंध समिति के सचिव श्री गिरीश अग्रवाल एवं प्रदीप दाल वालों ने वृक्षारोपण किया। योजनाधिकारी डॉ. भारती सागर एवं श्रीमती मंजू दलाल ने वृक्षारोपण किया। महाविद्यालय की शिक्षिकाएं डा. अंजूबाला अग्रवाल, डा. अर्चना पाल, डा. संध्या, डा. सीमा, डा. सुनीता, डा. नेहा, डा. योगेन्द्री, श्रीमती स्वाती, डा. वीरमती, डा. नीतू गोस्वामी एवं छात्राओं ने भी वृक्षारोपण कर पर्यावरण संतुलन की मुहिम में योगदान दिया।

राखियों की स्टॉल

दिनांक 18.08.2018 को महाविद्यालय में रेन्जर्स इकाईयों के सहयोग से ''कल्याणं करोति संस्थान'' के दिव्यांगो द्वारा बनायी गयी राखियों की स्टॉल लगायी गयी। ''कल्याणं करोति संस्थान'' से आए दिव्यांग बच्चे वन्दना, जया, निधि और उनके साथ आयीं दीक्षा, पूनम यादव, क्षितिजा, कृष्णा देवी आदि शिक्षिकाओं ने मिलकर राखियों की प्रदर्शनी लगाकर उनकी बिक्री की। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राध्यापिकाओं एवं छात्राओं ने दिव्यांग बच्चों की कार्य कुशलता की सराहना करते हुए, उनके द्वारा बनायी

गयी राखियों को खरीद कर उनका उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने दिव्यांग बच्चों की प्रशंसा करते हुए महाविद्यालय की छात्राओं से अधिक से अधिक राखियाँ खरीदने के लिए अपील की। इस अवसर पर रेन्जर्स प्रभारी डा. नीतू गोस्वामी एवं श्रीमती पूजा पालीवाल का विशेष सहयोग रहा।

शिक्षक दिवस

दिनांक 05.09.2018 को महाविद्यालय में 'शिक्षक दिवस' मनाया गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने अपनी विविध विषयों की शिक्षिकाओं का अभिनय करते हुए उन विषयों को अन्य छात्राओं को पढ़ाया। यह कार्यक्रम शिक्षक–अभिनय प्रतियोगिता के रूप में रखा गया, जिसमें छात्राओं को 10 मिनट का समय किसी भी विषय को पढ़ाने के लिए दिया गया। छात्राओं ने अपने विषय पढ़ाने के लिए व्हाइट बोर्ड, लैपटाप, पी.पी.टी. प्रजेन्टेशन द्वारा अपने विषयों को बखूबी पढ़ाया। प्रतियोगिता में लगभग बीस छात्राओं ने शिक्षिकाओं का अभिनय करते हुए समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, संगीत, राजनीतिशास्त्र, कॉमर्स, अंग्रेजी, संस्कृत, गृहविज्ञान आदि विषयों को दिए गए 10 मिनट में बहुत ही प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में दो छात्राओं को विनर एवं रनर अप के रूप में पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता में रनर अप एम.कॉम. प्रथम की प्रियंका शर्मा एवं विनर एम.ए. फाइनल की झिलमिल अग्रवाल रहीं। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्रीमती इन्द्रा अग्रवाल, डा. अंन्जूबाला अग्रवाल, डा. कल्पना वाजपेयी, डा. नीतू गोस्वामी एवं डा. धर्मेन्द्र वर्मा थे। इसके अतिरिक्त छात्राओं ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए, जिसमें बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं ने छात्र जीवन के विविध रंगो को उकेरते हुए एक नाटिका का मंचन किया। बी.ए. तृतीय वर्ष की खुशबू गुर्जर एवं एम.ए. पूवार्द्ध की मोहिनी शर्मा ने अपनी कविताएं सुनाकर वातावरण को रसमय कर दिया। कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा ग्रहण करने का पात्र जितना बड़ा होगा उतना ही हम प्राप्त कर सकते हैं, इसलिए अपनी आन्तरिक क्षमताओं को बढ़ाते हुए निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहना चाहिए। साथ ही सभी प्राध्यापिकाओं को उन्होंने शिक्षक दिवस की अनन्त शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन सुश्री नीतू राजपूत ने किया।

व्यवसायिक पाठ्यक्रम सी.एस. में रोजगार की सम्भावनाएं

दिनांक 12.09.2018 को वाणिज्य संकाय की समस्त छात्राओं के लिए ''कैरियर अवेयरनेस प्रोग्राम'' के अन्तर्गत 'कम्पनी सैक्रेटरी' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस हेतु ''इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरी, आगरा'' शाखा से श्री रवि श्रीवास्तव जी एवं सी.एस. ऋचा गुप्ता जी ने छात्राओं को सी.एस. कोर्स के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने यह भी बताया की यह कोर्स केन्द्रीय सरकार से मान्यता प्राप्त है। साथ ही उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस कोर्स द्वारा छात्राएं प्रैक्टिस कर सकती हैं या किसी कम्पनी में कम्पनी सैक्रेटरी के पद पर कार्यरत् हो सकती हैं। साथ ही कम्पनी में कानूनी सलहाकार, सेबी में रोजगार, जी.एस.टी, सैकेट्रियल ऑडिट, एटॉर्नी फाइनेंस कन्सलटेन्ट आदि में रोजगार की असीम सम्भावनाएं हैं। छात्राओं ने इससे संबंधित प्रश्न पूछे जिसकी विस्तृत जानकारी सी.एस. ऋचा गुप्ता जी द्वारा दी गई। कार्यक्रम का संचालन डा. सीमा शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डा. धर्मेन्द्र वर्मा, डा. सुषमा जैन, डा. वीरमती, कु0 रूचि जौहरी आदि उपस्थित रहे। प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने आगन्तुकों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

हिन्दी दिवस के परिप्रेक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम

महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के परिप्रेक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसके प्रथम दिन दिनांक 13.09.2018 को हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस काव्य पाठ प्रतियोगिता में छात्राओं ने स्वरचित एवं कवियों द्वारा रचित कविताओं की सुन्दर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के प्रारम्भ में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी, निर्णायक मण्डल की निर्णायिका डा. अंजूबाला अग्रवाल एवं डा. कल्पना वाजपेयी तथा कार्यक्रम संयोजिका डा. नीतू गोस्वामी द्वारा सामूहिक रूप से माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। बी.ए. के तीनों वर्ष की छात्राओं ने अपनी विविध विषयक कविताओं की प्रस्तुति से वातावरण काव्यमयी बना दिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम नेहा द्विवेदी एम.ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान पर एम.ए. प्रथम वर्ष की मोहिनी शर्मा तथा तृतीय स्थान पर एम.ए. प्रथम वर्ष की खुशबू आचार्य रहीं। कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने छात्राओं को अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि महाविद्यालय आपको वो मंच प्रदान करता है जिस पर आप अपनी कला का प्रस्तुतिकरण कर अपने हुनर

में आगे बढ़ सकें। अतः सभी को अपनी क्षमता और दक्षता के अनुकूल महाविद्यालय की गतिविधियों में बढ़–चढ़ कर सहभागिता करनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डा. नीतू गोस्वामी ने किया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया गया, जिसमें देश के प्रख्यात कवि 'श्री मनवीर मधुर' जी ने अपनी अनुपम प्रस्तुति देकर महाविद्यालय परिसर को रससिक्त किया। आदरणीय मनवीर मधुर जी की प्रस्तुति से पहले महाविद्यालय में एक दिन पूर्व हुई काव्य पाठ प्रतियोगिता की विजयी छात्राओं द्वारा काव्य पाठ किया गया। हिन्दी विभाग की सुश्री सपना ने हिन्दी के मत में अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए। तत्पश्चात् श्री मनवीर मधुर जी ने अपनी काव्यमयी प्रस्तुति से सभागार को गुंजायमान कर दिया। उन्होंने देशभक्ति, शौर्य, नारी सशक्तिकरण, हिन्दी के अस्तित्व आदि विषयक कविताओं का रसपान अपनी मधुर वाणी से कराया। जब मंच से मधुर जी ने पढ़ा ''जो है ये जिन्दगी दिल लगाकर जीओ, रोते रोते ही भी जी रहे हो अभी, जब है जीना तो फिर मुस्कराकर जीओ'' तो तालियों की गड़गड़ाहट से सारा सभागार गुंजायमन हो उठा।

इस अवसर पर महाविद्यालय की हिन्दी विभाग की डा. नीतू गोस्वामी ने भी अपनी काव्य प्रस्तुति करते हुए ''कभी मीरा बनी हूँ कभी रत्नावली हूँ मैं'' सुनायी। इसी परिप्रेक्ष्य में काव्य पाठ करते हुए उन्होंने ''और कोई न ऐसी भाषा देखी सकल जहान की, जय जय हिन्दी की बोलो जय बोलो हिन्दुस्तान की'' सुनाकर सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने दिया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हमें एक दिन हिन्दी दिवस नहीं मनाना वरन् उसे आत्मसात करना और व्यवहारिक तौर पर उसका सम्मान करते हुए उसे वरण करना है। अंग्रेजी हमारी जीविकोपार्जन का साधन तो हो सकती है किन्तु भावाभिव्यक्ति का नहीं, अतएव सप्रयास अंग्रेजी के चलन से बचना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डा. नीतू गोस्वामी ने किया।

फ्रेशर पार्टी का आयोजन

दिनांक 15.09.2018 को महाविद्यालय में बी.कॉम की छात्राओं ने फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया। विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति गायन एवं नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। मिस फ्रेशर के चुनाव के लिए एक रैम्प वॉक कार्यक्रम किया गया जिसमें तीन राउण्ड में उनके पहनावे, प्रदर्शन, भाव–भंगिमा एवं उनके वैचारिक स्तर को जानने के लिए प्रतियोगिता की गयी। इन प्रतियोगितायों में रनरअप अनुराधा तथा विनर रिद्धि भारद्वाज रहीं। निर्णायक मण्डल में कॉमर्स विभाग की डा. सीमा शर्मा एवं हिन्दी विभाग की नीतू गोस्वामी थीं। कार्यक्रम का संचालन बी.कॉम द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा किया गया।

सांख्यिकी के मूल तत्वों पर व्याख्यान

दिनांक 19.09.2018 को महाविद्यालय में सांख्यिकी के मूल तत्वों पर प्रकाश डालने हेतु समाज विज्ञान संस्थान आगरा के निदेशक एवं सांख्यिकी विषय के वरिष्ठतम प्रोफेसर दिवाकर खरे जी को आमंत्रित किया गया। प्रोफेसर खरे ने सांख्यिकी के प्रचलित शब्दों से छात्राओं को परिचित कराया। उन्होंने सांख्यिकी विषय में प्रयुक्त प्रत्येक शब्द की विस्तृत व्याख्या समझाई। उन्होंने सांख्यिकी की प्रारम्भिक परिभाषा से लेकर वर्तमान में प्रचलित परिभाषा पर प्रकाश डाला। प्रो. खरे ने बताया कि सांख्यिकी में प्रयुक्त आँकड़े विश्वसनीय होने चाहिए। इसी वजह से कहा गया कि सांख्यिकी झूठ का इन्द्रधनुष है। उन्होंने बताया कि सांख्यिकी गीली मिट्टी की तरह है उसमें प्रयुक्त आँकड़ो से सही निर्णय लिए जा सकते हैं तो गलत आँकड़ो के कारण गलत निर्णय भी हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि सांख्यिकी का उल्लेख कौटिल्य के अर्थशास्त्र में मिलता है और आइने अकबरी में भी मिलता है। प्रत्येक क्षेत्र में आँकड़े बढ़ते जा रहे हैं तो स्वाभाविक है कि सांख्यिकी का प्रयोग भी बढ़ता जा रहा है। किसी भी सफल व्यापारी की सफलता में सांख्यिकी का ही योगदान है। सांख्यिकी का प्रयोग प्रत्येक क्षेत्र में हो रहा है जैसे समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, राजनीति शास्त्र, सेंसेक्स, शेयर बाजार, शोध संस्थान, सरकारी नीति निर्धारण। जब से कम्प्यूटर का प्रयोग बढ़ा है तब से सांख्यिकी का प्रयोग भी अत्यधिक बढ़ गया है। मौसम की सटीक भविष्यवाणी में भी सांख्यिकी का ही योगदान है। साथ ही उन्होंने केन्द्रीय प्रवृति के मापों को उदाहरण सहित समझाया। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने आभार व्यक्त किया। शिक्षाशास्त्र की डा. कल्पना वाजपेयी ने स्मृति चिह्न भेंट किया।

आपदा प्रबंधन एवं स्वच्छता अभियान

दिनांक 23.10.2018 को महाविद्यालय में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से ''आपदा प्रबंधन एवं स्वच्छता अभियान'' के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें ब्रह्मकुमारी संस्था कटक से अश्मिता जी, मुज़फ्फरनगर से सन्तोषी जी, इन्दौर से आए महेश जी, एवं पानीपत से आए राजेश जी ने स्वच्छता अभियान पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए छात्राओं को प्रेरित किया। इन्दौर से

आए महेश जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारे जीवन में आन्तरिक और बाहरी दोनों प्रकार की आपदाएँ आती रहती हैं। उन आपदाओं से निपटने के लिए हमें अपनी सोच सदैव सकारात्मक रखनी चाहिए ताकि उन आपदाओं पर विजय प्राप्त की जा सके।

इसके साथ ही मुज़फ्फरनगर से आयीं संतोष जी ने सभी को मैडिटेशन का अभ्यास कराया जो छात्राओं को आज की जीवन शैली के परिप्रेक्ष्य में परम आवश्यक हो गया है। कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अपने उद्‌बोधन में कहा कि जिस प्रकार आज समाज में बुराइयां फैल रही हैं, उसको देखते हुए छात्र जीवन के लिए व्यवहारिक शिक्षा के अतिरिक्त नैतिक शिक्षा की भी आवश्यकता है। निःसन्देह इस कार्यक्रम से हमारी छात्राओं को प्रेरणा मिली है कि वे किस प्रकार अपने व्यक्तित्व को निखार सकती हैं। कार्यक्रम का संचालन कु. नीतू राजपूत ने किया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

दिनांक 03.11.2018 को महाविद्यालय में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा ईवीएम व मतपत्र पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में के.आर. डिग्री कॉलेज के राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डा. अशोक कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. योगेन्द्री द्वारा किया गया। ईवीएम के पक्ष में नेहा द्विवेदी, खुशबू आचार्य, काजल अग्रवाल (एम.ए.प्रथम), श्रेया अग्रवाल, गुंजन गोस्वामी, खुशबु गुर्जर रहे। इन्होने पक्ष में पर्यावरण शुद्धि, पेपर फ्री, मेक इन इण्डिया, डिजिटलाइजेशन भारत के विकास जैसे मुद्‌दों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों द्वारा समय की बचत, विश्वसनीयता आदि के आधार पर ईवीएम का समर्थन किया गया। मतपत्र के पक्ष में निकिता उपाध्याय, सोनम, झिलमिल (एम.ए.फाइनल), ख्याति चौधरी (एम.ए.प्रथम) ने कहा बहुत देश इसका प्रयोग कर रहे है। साथ ही कहा कि ईवीएम के प्रति जनता में विश्वसनीयता नहीं है व बूथ कैप्चरिंग की भी सम्भावना रहती है। कार्यक्रम के अन्त में डा. अशोक कुमार ने कहा कि हमें लोकतन्त्र की रक्षा करनी है चाहे समय व धन का व्यय अधिक हो पर निष्पक्ष निर्णय की प्राप्ति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम के माध्यम से हमें विकास के दौर में ऊपर जाना है। कुछ सुधार के साथ ईवीएम का ही भविष्य में प्रयोग होना चाहिये। इस कार्यक्रम में श्रीमती स्वाति पारीक ने विशेष सहयोग दिया।

संविधान दिवस

दिनांक 03.11.2018 को महाविद्यालय में संविधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में के. आर. महाविद्यालय के प्रोफेसर डा. अशोक कुमार उपस्थित रहे। डा. अशोक कुमार ने कहा कि वर्तमान में कुछ ऐसी समस्याएं हैं जो भारतीय संविधान के समक्ष एक चुनौती बनकर खड़ी हो गई हैं। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय को सर्वोच्च शक्ति बताते हुए उसके निर्माण की हो रही अवहेलना पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर नेहा द्विवेदी एम.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा द्वारा संविधान निर्माण की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला गया। इसके पश्चात एम.ए. द्वितीय की छात्रा झिलमिल अग्रवाल ने संविधान की प्रस्तावना पर प्रकाश डालते हुए उसमें निहित मूल्यों के बारे मे बताया एवं उसके महत्व पर भी चर्चा की। एम. ए. प्रथम वर्ष की छात्रा काजल अग्रवाल ने भारतीय संविधान में वर्णित मूल अधिकारों का वर्णन किया, साथ ही बताया कि प्रारम्भ मे सम्पत्ति का अधिकार मूल अधिकारों का हिस्सा था लेकिन वर्तमान में केवल यह एक कानूनी अधिकार ही है। भारतीय नागरिकों को 6 अधिकार प्रदान किये गए हैं। एम.ए. की ही छात्रा ख्याति चौधरी ने संविधान की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। श्रेया अग्रवाल बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा ने नीति निर्देशक तत्वों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डा. योगेन्द्री के द्वारा किया गया। इस गोष्ठी को सफल बनाने में श्रीमती स्वाति पारीक द्वारा विशेष सहयोग दिया गया। अन्त में डा. प्रीति जौहरी जी ने डा. अशोक कुमार जी के प्रति आभार व्यक्त किया।

डिजिटल अवेयरनेस

दिनांक 17.11.2018 को महाविद्यालय में प्र
प्राध्यापिकाओं हेतु डिजिटल अवेयरनेस पर आधारित एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्राध्यापिकाओं को वर्तमान में प्रयोग किए जाने वाले विविध एप्स और विविध मोबाइलों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। खजानी वूमेन पालिटैक्निक से श्री शोभित राठी जी ने बताया कि हम सभी एनड्राइड मोबाइल इस्तेमाल करते हैं किन्तु उसके अन्दर समाहित सभी एप्स या सुविधाओं का प्रयोग करना नहीं जानते। उन्होंने व्हाट्स एप में किस प्रकार किसी को अपने साथ जोड़ सकते हैं, किस प्रकार अपनी लोकेशन किसी परिजन से साझा कर सकते हैं, किस प्रकार फोन नं. को गूगल पर डालकर उन्हें सुरक्षित कर सकते हैं, फोन खो जाने पर कैसे अपना डाटा सुरक्षित कर सकते हैं, पेटीएम करना, ई बैंकिग करना आदि पर उन्होंने विस्तार पूर्वक समझाया। प्रयोगिक तौर पर सबको प्रक्रिया करके भी सिखलायी। इस अवसर पर उनके साथ आयुषी भी उपस्थित रहीं। इस

कार्यक्रम से महाविद्यालय की समस्त प्राध्यापिकाएं लाभान्वित हुई जिसके लिए सभी ने प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी को धन्यवाद दिया।

हस्तशिल्प मेला

दिनांक 03.11.2018 को महाविद्यालय में छात्राओं द्वारा हाथ से बनी हुई वस्तुओं की प्रदर्शनी लगायी गयी, जिसमें छात्राओं द्वारा बनायी गयी चॉकलेट, ज्वैलरी, कैण्डल, वेस्ट मैटेरियल से सजावट की वस्तुएं आदि शामिल थीं। इससे पूर्व महाविद्यालय में खजानी वुमेन पॉलिटैक्निक के सौजन्य से एक सप्ताह तक छात्राओं को कैण्डल, चॉकलेट, ज्वैलरी, बंदनवार, पोशाक आदि बनाना सिखाया गया था। प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं ने अपनी दक्षता का प्रर्दशन करते हुए बहुत ही आकर्षक वस्तुओं का निर्माण किया। छात्राओं द्वारा निर्मित सभी वस्तुओं की भूरि–भूरि प्रंशसा की गयी। साथ ही उनके द्वारा निर्मित वस्तुओं की खरीददारी भी प्राध्यापिकाओं एवं छात्राओं द्वारा की गयी। इस अवसर पर कल्याणं करोति संस्था से आए दिव्यांग छात्राओं ने भी दीपकों की स्टॉल लगायी। उनके द्वारा निर्मित दीपक और कार्ड सभी को बेहद पसन्द आए और सभी ने उन्हें खरीद कर उनका उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर प्रत्येक स्टॉल की छात्राओं के मध्य प्रतियोगिता भी सम्पन्न करायी गयी, जसमें पोशाक मेकिंग में बबली सिंह प्रथम, शिवानी वर्मा द्वितीय एवं पूजा तृतीय स्थान पर रहीं। ज्वैलरी मेकिंग में सोनम प्रथम, रेनू दीक्षित द्वितीय, मोनिका गौतम तृतीय स्थान पर रहीं। चॉकलेट एवं कैण्डल मेकिंग में अंकिता वर्मा प्रथम, पायल गोस्वामी द्वितीय, गौरी दीक्षित तृतीय स्थान पर रहीं। प्रदर्शनी उपरान्त प्रतिभाग करने वाली छात्राओं को खजानी वुमेन पॉलिटैक्निक की निर्देशिका श्रीमती शिप्रा राठी जी द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका डा. संध्या श्रीवास्तव सहित महाविद्यालय की समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। सभी शिक्षिकाओं ने छात्राओं को बधाई दी।

निबन्ध एवं स्लोगन प्रतियोगिता

महाविद्यालय में 'भ्रष्टाचार मिटाओ, नया भारत बनाओ' विषय पर 24 अक्टूबर को सम्पन्न हुई निबन्ध एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग व विजयी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। यह प्रतियोगिताएं मथुरा रिफाइनरी के सतर्कता विभाग के संयोजन में सम्पन्न करायी गयी थीं। पुरस्कार वितरण के इस अवसर पर डी.जी.एम. श्री अनिरूद्ध सेठिया मैनेजर ऑफ विजिलेन्स, एम.जी. श्री अनिल कुमार एवं परामर्श सचिव श्रीमती आशा जौहर जी ने आकर विजयी छात्राओं को पुरस्कृत किया। हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर काजल अग्रवाल, द्वितीय स्थान पर स्नेहा गौड़, तृतीय स्थान पर मोनिका गौतम रहीं। सांत्वना पुरस्कार दिव्य ज्योति व सोनिया को प्रदान किया गया। स्लोगन प्रतियोगिता में गुंजन गौतम प्रथम, मोनिका गौतम द्वितीय एवं अंजलि तृतीय स्थान पर रहीं। सांत्वना पुरस्कार खुशबू आचार्य व डिम्पल शर्मा को दिया गया। निबंध प्रतियोगिता की निर्णायिका डा. अंजूबाला अग्रवाल एवं डा. कल्पना वाजपेयी तथा स्लोगन प्रतियोगिता की निर्णायिका डा. संध्या श्रीवास्तव एवं डा. नम्रता मिश्रा को स्मृति चिह्न प्रदान किये गये। इस अवसर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ श्री अनिल कुमार जी ने सभी को शपथ दिलायी। प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने सभी का आभार व्यक्त किया तथा समस्त छात्राओं को अपनी क्षमता के अनुसार विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. नीतू राजपूत ने किया।

सामूहिक वाद-विवाद- 'क्या मृत्युदण्ड उचित है'

महाविद्यालय में दिनांक 13.12.2018 को विभागीय गतिविधि के तहत समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'क्या मृत्युदण्ड उचित है' विषय पर सामूहिक वाद–विवाद का आयोजन किया गया। विषय के पक्ष में श्रेया, खुशबू, आरती, नेहा, आदि ने तर्क दिये तो मृत्युदण्ड अनुचित पर छवि, पूजा, असमा, काजल, सुगंधी, शर्मिष्ठा, नीरज ने तर्क रखे। वाद–विवाद मे दोनों समूहों ने तथ्यों के साथ अपनी श्रेष्ठ प्रस्तुति दी। इस विशेष सत्र का संचालन समाजशास्त्र की विभागाध्यक्षा डा. भारती सागर द्वारा किया गया। डा. नेहा ने सत्र के आयोजन में विशेष सहयोग दिया। सत्र की अध्यक्षता हेतु के. आर. महाविद्यालय से पधारे डा. शरद सक्सैना ने विषय के समाजशास्त्रीय पक्ष पर ध्यान दिये जाने पर बल दिया। वहीं विशिष्ट वक्तव्य हेतु आमंत्रित के. आर. महाविद्यालय से राजनीति विभाग के प्रोफेसर डा. अशोक कुमार ने विशेष परिस्थितियों में प्राणदण्ड की प्रासंगिता पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने छात्राओं को उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए उत्साहवर्धन किया। निर्णायकगण के रूप में महाविद्यालय से अंग्रेजी विभाग की अध्यक्षा डा. अंजुबाला अग्रवाल एवं संस्कृत विभाग की अध्यक्षा डा. अर्चना पाल का योगदान रहा। निर्णायकगण के निर्णयानुसार श्रेया एवं असमा सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी रहे। श्रेष्ठ अंतिम वक्तव्य आरती दीक्षित एवं शर्मिष्ठा का रहा। दोनों समूहों के वाद–विवाद में समूह 'अ' जिसने पक्ष में अपने तर्क दिये, विजयी घोषित हुआ।

वर्ष 2017–18 की वार्षिक परीक्षाओं में महाविद्यालय की छात्रा कु. नेहा द्विवेदी को सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर डा. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

कु. नेहा द्विवेदी

वर्ष 2017–18 की वार्षिक परीक्षाओं में महाविद्यालय की छात्रा कु. भूमिका चतुर्वेदी को संगीत गायन में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर डा. बी. आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

कु. भूमिका चतुर्वेदी

C.A. I.P.C.C. के दोनों ग्रुपों में प्रथम प्रयास में सफलता प्राप्त करने वाली छात्रा

मेधा अग्रवाल **(M.Com. Prev.)**

C.S. Foundation Course में प्रथम प्रयास में सफलता प्राप्त करने वाली छात्राएं

दिव्या शर्मा **(B.Com. II)**

परिधि **(B.Com. II)**

प्रत्येक वर्ष की भाँति सत्र 2017–18 में भी महाविद्यालय द्वारा प्रायोजित मानविकी, फाइन आर्ट्स, कॉमर्स, सोशल साइंसेज, खेल एवं उपस्थिति में सर्वश्रेष्ठ छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया तथा 'स्टुडेंट ऑफ द ईयर' का पुरस्कार कु. चंचल शर्मा को दिया गया।

स्टुडेंट ऑफ द ईयर

चंचल शर्मा

प्रिया राजपूत
कॉमर्स

खुशबू आचार्य
फाइन आर्ट्स

चंचल शर्मा
मानविकी

संगीता शर्मा
सोशल साइंसेज

तरू
खेल

दिव्या दीक्षित
उपस्थिति

पर्यटन विभाग और डॉ. आम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा हो रहा कुंभ, कुंभ में शामिल होने के लिए ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन

नारी शक्ति कुंभ की अक्षयपात्र में तैयारियां तेज

आयोजन 8 से

वृंदावन | हिन्दुस्तान संवाद

आठ और नौ दिसंबर को अक्षयपात्र में पर्यटन विभाग और डॉ. भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा द्वारा आयोजित नारी शक्ति कुंभ की तैयारियों जोरों पर चल रही हैं। दो पांडाल बनाने के साथ ही मुख्य अतिथियों के लिए विशेष कक्ष भी तैयार

अक्षयपात्र में नारी शक्ति कुंभ की जानकारी देते डॉ. अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा के कुलपति डॉ. अरविन्द दीक्षित एवं अन्य।

कई केंद्रीय मंत्री और राज्यपाल करेंगे आयोजन में शिरकत

वृंदावन | हिन्दुस्तान संवाद

नारी शक्ति कुंभ के संयोजक डॉ. अरविन्द दीक्षित एवं सह संयोजक डॉ. प्रीति जौहरी ने बताया कि आठ दिसंबर को नारी शक्ति कुंभ के पहले दिन ... बारह बजे तक उद्घाटन सत्र होगा। कार्यक्रम का उद्घाटन केन्द्रीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और सांसद हेमामालिनी द्वारा किया जाएगा। इसके बाद 12:30 बजे दो सत्र चलेंगे। जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं

छात्राओं को यातायात के नियमों की दी जानकारी

जागरूक किया

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आरसीए महाविद्यालय में 'यातायात जागरूकता अभियान' के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को यातायात संबंधी ...

नयति हॉस्पिटल परिचारिका अधीक्षिका वन्दना शाह ने कहा कि हमें अपने भाई पिता, पड़ोसी सबका यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करने का कार्य करना चाहिए और स्वयं भी उनका पालन करना चाहिए।

प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने कहा कि ...

आरसीए में छात्राएं बनीं शिक्षिका

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आरसीए गर्ल्स पीजी कालेज में शिक्षक दिवस पर आयोजित शिक्षक अभिनय प्रतियोगिता में छात्राओं ने शिक्षिका के रूप में शिक्षण कार्य कराया।

महाविद्यालय में आयोजित इस प्रतियोगिता में 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। शिक्षिका बनी प्रत्येक छात्रा को 10 मिनट का वक्त दिया गया। छात्राओं ने संबंधित शिक्षिका अभिनय करने के साथ-साथ व्हाइट बोर्ड, लैपटॉप, पीपीटी, प्रजेन्टेशन द्वारा कई विषयों का शिक्षण कराया। प्रतियोगिता में एमकॉम प्रथम वर्ष की प्रियंका शर्मा ...

बुधवार को शिक्षक दिवस पर आरसीए कॉलेज में छात्राएं शिक्षकों को पढ़ाती हुई।

दिवस की शुभकामनाएं दीं। बुसरा, मोहिनी, श्रेया, हनी खत्री, दिव्य ज्योति, ... विधायक पूरन प्रकाश, विनोद बनर्जी, डा. कमल कौशिक, विजेंद्र सिंह ...

बेटियां संकोच छोड़ें और विरोध करें

जागरण संवाददाता, मथुरा: राष्ट्रीय आव्हान पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ब्रज प्रांत का छात्राओं के लिए आत्मरक्षा के प्रोत्साहन कार्यक्रम मिशन साहसी का समापन रतनलाल फूलकटोरी सीनियर सेकेंडरी विद्यालय के प्रांगण में हुआ। इस मौके पर विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने जूडो कराटे के माध्यम से आत्मरक्षा के गुरों का प्रदर्शन किया। दक्ष प्रशिक्षकों के माध्यम से 15 कालेजों में 23 से 29 अक्टूबर तक छात्राओं को आत्म रक्षा के टिप्स दिए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. निर्मला दीक्षित ने कहा कि बालिकाओं को संकोच छोड़कर उनके साथ गलत हरकतें करने वालों का विरोध करना होगा। ...

मंगलवार को रतनलाल फूलकटोरी बालिका विद्यालय में आयोजित मिशन साहस कार्यक्रम में छात्राओं को सम्मानित करतीं प्रधानाचार्य डॉ. नीता सिंह ● जागरण

महिलाओं की आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया एक और कदम

माई सिटी माई प्राइड

डेढ़ माह चला अभियान

- डेढ़ माह तक अनवरत चला जनजागरूकता अभियान
- छात्राओं की प्रदर्शनी व प्रतियोगिता के साथ समापन

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

प्रतियोगिताओं में ये रहे विजेता

वंदनवार कॉम्पिटिशन में सिमरन प्रथम, ...

इनका हुआ सम्मान

वाद-विवाद प्रतियोगिता में मृत्युदंड पर छात्राओं ने रखा अपना तर्क

अमर उजाला ब्यूरो

मथुरा। आरसीए बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'क्या मृत्युदंड उचित है' विषय पर सामूहिक वाद-विवाद आयोजित की गई। इसमें समूह के रूप में छात्राओं ने अपने तर्क रखे।

विषय के पक्ष में श्रेया, खुशबू, आरती, नेहा, आदि ने तर्क दिए तो मृत्युदंड अनुचित पर छवि, पूजा, ...

दिया। सत्र की अध्यक्षता केआर महाविद्यालय से सेवानिवृत्त समाजशास्त्र विभाग अध्यक्ष डॉ. शरद सक्सेना ने की। केआर महाविद्यालय से राजनीति विभाग के प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार ने विशेष परिस्थितियों प्राणदंड की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

प्राचार्य डॉ. प्रीति जौहरी ने छात्राओं को उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए ...

पीरियड्स शारीरिक प्रक्रिया, घबराएं-शर्माएं नहीं

व्हिस्पर च्वॉइस और अमर उजाला की आरसीए गर्ल्स डिग्री कालेज में सपनों की उड़ान कार्यक्रम आयोजित

व्हिस्पर च्वॉइस और अमर उजाला की ओर से आरसीए गर्ल्स डिग्री कालेज में आयोजित सपनों की उड़ान कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं और अभिभावक। अमर उजाला

कार्यक्रम को संबोधित करतीं अभिनेत्री माही ...

... के इस्तेमाल करके हर कार्य को सामान्य तरीके से किया जा सकता है। सेनेटरी पैड के उपयोग का ... की कि पैड को डस्टबिन में ही डाला जाए।

महिला रोग विशेषज्ञ डा. लता अग्रवाल ने कहा कि पीरियड्स सामान्य प्रक्रिया है। ...

फ्रेशर पार्टी में रैम्प वॉक में छात्राओं का प्रदर्शन

मथुरा। आरसीए महाविद्यालय में बीकॉम की छात्राओं ने फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या डा.प्रीति जौहरी ने किया ... अनुराधा ...

आरसीए महाविद्यालय की ओर से लगाए गए मेले में रोजगार पाने को उमड़ीं युवतियां

रोजगार मेले में 500 छात्राओं को एक साथ मिला प्लेसमेंट

इन्होंने किया मेले का शुभारंभ

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

बिना बर्तन पकाया भोजन

मथुरा। आरसीए महाविद्यालय ... दिन छात्राओं द्वारा ...

आरसीए में अंग्रेजी सिखाने को लगाई कार्यशाला

मथुरा। आरसीए गर्ल्स डिग्री कालेज में छात्राओं को अंग्रेजी सिखाने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतियोगिताएं भी हुईं। अलग-अलग प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बीए द्वितीय की छात्रा दिव्य ज्योति ने प्रथम और दिव्या सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, बीए प्रथम वर्ष की छात्रा दिव्या सिंह ने प्रथम, लवली राजपूत ने द्वितीय स्थान और तृतीय स्थान काजल ने प्राप्त किया। अंकित वर्मा ने प्रथम, अनम ने द्वितीय और ख्याति चौधरी एवं पूजा सेनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक डा. अर्चना पाल और डा. कल्पना वाजपेयी रहीं। कॉलेज की प्राचार्य डा. प्रीति जौहरी व रश्मि चतुर्वेदी मौजूद रहीं। संचालन डा. सुनीता अवस्थी ने किया। ब्यूरो

रागनी ने राधा बन दी नृत्य प्रस्तुति

छिपी डांस प्रतिभाओं को उभारना ही मकसद

चीन की चाल से रहना होगा सजग

संगोष्ठी

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आरसीए महाविद्यालय में ब्रावन बेल्ट वन रोड की चुनौती एवं भारत का प्रत्युत्तर विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी में वक्ताओं ने चीन की चाल से सजग रहने पर जोर दिया। संगोष्ठी में पहले दिन 15 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए।

मुख्य अतिथि प्रो.श्रीकान्त कोण्डापल्ली ने कहा कि वन बेल्ट वन रोड के माध्यम से चीन तीन महाद्वीपों एशिया यूरोप और अफ्रीका को सीधे तौर पर जोड़ना चाहता है। ...

शनिवार को आरसीए गर्ल्स कॉलेज में आयोजित वन बेल्ट वन रोड चीन की चुनौती राष्ट्रीय सेमिनार में बोलते मुख्य अतिथि श्रीकान्त कुंडापल्ली। ● हिन्दुस्तान

शोध पत्र प्रस्तुत किए: तकनीकी सत्र में छात्र एवं प्रोफेसर वर्ग ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. योगेन्द्री ने ...

मीरा पर आधारित नृत्य नाटिका देख मंत्रमुग्ध

अमर उजाला ब्यूरो

मथुरा।

नृत्य करती छात्रा। अमर उजाला

अभिनेत्री रेखा की निधि से पढ़ेंगी बेटियां

अमर उजाला ब्यूरो

मथुरा।

सांसद हेमामालिनी के आग्रह पर राजसभा सदस्य रेखा ने जारी की है 1.80 करोड़ की निधि

राज्यसभा सांसद और अभिनेत्री रेखा की नीधि से मथुरा में बेटियों के पढ़ने के लिए विज्ञान संकाय भवन का निर्माण कराया जाएगा। सांसद हेमामालिनी के आग्रह पर राज्यसभा से सांसद रेखा ने मथुरा के लिए 1.8 करोड़ रुपये की निधि जारी करने की संस्तुति कर दी है। इसमें सबसे अधिक राशि बालिकाओं की शिक्षा ...

परिसर में बार एसोसिएशन के हॉल, रावल में यात्री सुविधा स्थल, मांट में जनता हॉल और शौचालय सहित अन्य कार्य भी कराए जाएंगे।

अभिनेत्री रेखा का राज्यसभा में कार्यकाल मार्च माह में पूरा होने जा रहा है। इससे पहले उन्हें मिलने वाली निधि का उपयोग मथुरा के ...

जारी कर दी है। इसकी जानकारी उन्होंने मथुरा की सांसद हेमामालिनी को भी दी है।

सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा ने बताया कि राज्यसभा सांसद रेखा की निधि से आरसीए गर्ल्स डिग्री कॉलेज में विज्ञान संकाय का निर्माण होगा। इसके लिए 50 लाख स्वीकृत किए ...

अभिनेत्री, सांसद हेमामालिनी।

अभिनेत्री, सांसद रेखा। अमर उजाला

मथुरा न्यायालय परिसर में बार एसोसिएशन के हॉल के लिए 50 लाख, गोवर्धन की ग्राम पंचायत जानू ... शौचालय के लिए 11 लाख, नगला चंद्रभान में पेयजल के लिए 5.5 लाख, तहसील मांट में जनता हॉल ...

विविध स्पर्धाओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

वन बेल्ट वन रोड पर बरतनी होगी सजगता

मथुरा। ... बेल्ट वन रोड चीन ... भारत सरकार का ... पर आरसीए गर्ल्स ... विशेषज्ञों ने राय दी ... से सजग रहना ... पर संगोष्ठी के ... प्रो. श्रीकांत ... सजग रहने ... कहा कि ... बदौलत ... हता है।

... श्रीवास्तव ने कहा ... रोड प्रोजेक्ट के ... निर्माण सामग्री के ... उठा सकता है। ... अध्यक्ष प्रो. एम गुलरेज ने कहा ... चीन इसके माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को नई दिशा देना चाहता है। कार्यक्रम के ...

आरसीए गर्ल्स डिग्री कॉलेज में आयोजित सेमीनार में बोलते वक्ता। अमर उजाला

तकनीकी सत्र में छात्र और प्रोफेसर वर्ग ने इस विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किए। महाविद्यालय की प्राचार्य डा. प्रीति जौहरी ने आगंतुकों का स्वागत किया। संचालन डा. भारती सागर ने किया। इस अवसर पर प्राध्यापिका डा. अंजू अग्रवाल, कल्पना वाजपेयी, डा. अर्चना पाल, डा. नम्रमा मिश्रा मौजूद रहीं।

हिन्दुस्तान, नगर निगम और खाजनी की सेमिनार में छात्राओं को दिए स्वच्छता के टिप्स, आरसीए कॉलेज में हुई सेमिनार

जिम्मेदार नागरिक बनेंगे तभी सुंदर बनेगा शहर

माई सिटी माई प्राइड

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

माई सिटी माई प्राइड अभियान के तहत हिन्दुस्तान द्वारा की जा रही जनजागरूकता के तहत नगर निगम व खजानी वेलफेयर सोसायटी द्वारा आरसीए महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित सेमिनार में छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि छोटी-छोटी चीजों का ख्याल रखकर हम किस तरह से स्वच्छता मिशन को आगे बढ़ा सकते हैं।

नगर निगम के नगर आयुक्त डॉ. समीर वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित सेमिनार का उद्घाटन करते हुए आत्मनिर्भर स्कूटी ड्राइविंग स्कूल की निर्देशिका रेखा खंडेलवाल ने छात्राओं को स्वच्छता के टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि जब तक हम स्वच्छता का बीड़ा नहीं उठाएंगे, तब तक स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करना मुश्किल है। वार्ड नंबर 14 की पार्षद मीरा मित्तल ने कहा कि सफाई हम सब का दायित्व है। हम सब को अपने इस दायित्व का पालन पूरी निष्ठा के साथ करना चाहिए। इस दिशा में नगर निगम द्वारा भी ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने कहा कि छात्राएं इस दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं।

आरसीए गर्ल्स कॉलेज में हिन्दुस्तान समाचार-पत्र, नगर निगम व खजानी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा रविवार को आयोजित समिनार में रेखा खंडेलवाल, प्राचार्य प्रीति जौहरी, सचिव गिरीश अग्रवाल व खजानी की निर्देशिका शिप्रा राठी। ● हिन्दुस्तान

एनएसएस के माध्यम से भी मलिन बस्तियों में निरंतर जागरूकता की जा रही है। स्वच्छता तभी संभव है, जब हम जागरूक होंगे। खजानी वेलफेयर सोसायटी की निदेशिका शिप्रा राठी ने छात्राओं को हिन्दुस्तान समाचार-पत्र व नगर निगम द्वारा की जा रही जनजागरूकता की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इसका असर साफ दिखाई देगा। स्वच्छता किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि यह पूरे समाज के लिए है। इस मौके पर आरसीए के सचिव गिरीश अग्रवाल ने भी अभियान की सराहना करते हुए छात्राओं को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया।

ब्रेस्ट कैंसर के बारे में बताया

मथुरा। आरसीए महाविद्यालय में सर्वोदय हास्पिटल और अनुसंधान केंद्र फरीदाबाद के चिकित्सकों की टीम ने छात्राओं को ब्रेस्ट कैंसर के बारे में जागरूक किया। इस शिविर में डा. आदित्य मुरली, डा. अंजूबाला, डा. नम्ररता मिश्रा, डा. कल्पना वाजपेयी, डा. अर्चना पाल मौजूद थीं।

अपने डॉक्टर स्वयं बनें
विषय पर
स्वास्थ्य परिचर्चा
13 अक्टूबर 2018, शनिवार
UNIFEST
युवा समारोह
13-15 अक्टूबर, 2018

Sweet Memories .....

आर.सी.ए. गर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, वृन्दावनगेट, मथुरा

मो. 9084011181, website : www.rcagirlscollege.org